हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार, जून 23, 2024

11 कबीरदास ने लोगों को दिखाया सत्य का मार्ग

11 गोयनका स्कूल में छात्रों ने उत्साह के साथ किया योगाभ्यास

खबर संक्षेप

तबीयत बिगड़ने से प्रवासी की मौत

बहादुरगढ़। उत्तर प्रदेश मूल के एक व्यक्ति की यहां संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। गर्मी में तबीयत बिगड़ने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान करीब 36 वर्षीय हरनारायण के रूप में हुई है। हरनारायण मूल रूप से उत्तर प्रदेश के महोबा जिले का रहने वाला था। पिछले कुछ समय पहले यहां आया था। फिलहाल रोहद में रह रहा था। राजमिस्त्री के तौर पर काम करता था। हरनारायण एक बच्ची का पिता था। परिजनों के बयान पर पुलिस ने घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की है।

तीन पिस्तौल सहित आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस की अपराध जांच शाखा-2 ने अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ बादली थाने में केस दर्ज किया गया है। दरअसल, सीआईए-2 को सूचना मिली थी कि खेड़का गुर्जर का निवासी विराट खेड़का-दुल्हेड़ा मार्ग पर मौजूद है और उसके पास हथियार है। इस सूचना पर टीम मौके पर गई और उसे काबू किया। शक के आधार पर तलाशी ली तो उसके पास तीन देशी पिस्तौल व तीन कारतूस बरामद हुए। आरोपी को हिरासत में लेकर केस दर्ज किया गया।

कुरुक्षेत्र में 25 को महारैली करेंगे अतिथि अध्यापक

झज्जर : पिछले करीब 18 वर्ष से नियमित करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अतिथि अध्यापकों द्वारा अब अपनी लंबित मांग को लेकर कुरूक्षेत्र में महारैली करने की घोषणा की गई है। आगामी 25 जून को प्रदेश भर के अतिथि अध्यापक कुरूक्षेत्र के सेक्टर तीन में महारैली स्थल पर पहुंच कर अपने नियमित करने की मांग दोहराएंगे। अतिथि अध्यापक संघ के प्रतिनिधि सुनील जौंधी ने बताया कि इस महारैली में भाग लेने के लिए झज्जर जिले से भी बड़ी संख्या में अतिथि अध्यापक भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि नियमित करने को लेकर उनके साथ सरकार द्वारा किया गया वायदा पूरा करना चाहिए।

नप में कार्यकारी अभियंता और चेयरपर्सन में टकराव बढ़ा

स्ट्रीट लाइटों की रिपेयर को लेकर चेयरपर्सन ने एक्सईएन से मांगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एक बार फिर नगर परिषद में कार्यकारी अभियंता और चेयरपर्सन में टकराव बढ़ रहा है। अब प्रधान ने पत्र लिखकर स्ट्रीट लाइटों की रिपेयर को लेकर स्थिति स्पष्ट करने और दो दिन में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विदित है कि पहले भी विकास कार्यों को लेकर दोनों में टकराव हो चुका है और एक्सईएन ने चेयरपर्सन के पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत भी दी थी। लेकिन कई दिन की शांति के बाद फिर तनाव बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर विकास कार्यों में भेदभाव के आरोप लगाते हुए पार्षद मोहित राठी ने भी चेयरपर्सन के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। उन्होंने 15 दिन में वार्ड के विकास कार्यों के टेंडर नहीं होने पर नगर परिषद के गेट पर धरना देने का ऐलान किया है।

- कार्यकारी अभियंता को लिखे पत्र में स्वीकार किया कि ना तो लाइटें रिपेयर हुई और ना कारीगरों की जानकारी मिली

बहादुरगढ़। ईओ संजय रोहिल्ला को ज्ञापन सौंपते पार्षद मोहित राठी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

लाइट रिपेयर पर तकरार

जी हां, चेयरपर्सन सरोज राठी ने शुक्रवार 21 जून को कार्यकारी अभियंता को पत्र लिखकर स्ट्रीट लाइट कार्य में बरती जा रही अनियमितता के बारे में सफाई मांगी है। चेयरपर्सन के अनुसार कई बार लिखित और मौखिक तौर पर बताए जाने के बाद भी स्ट्रीट लाइट रिपेयर का टेंडर नहीं लगाया गया है। उन्होंने दो दिन में स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। अन्यथा विभागीय कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारियों और सरकार को लिखने की चेतावनी दी है। पत्र के अनुसार स्ट्रीट लाइट रिपेयर का ठेका द रोहिणी कोऑपरेटिव एलसी सोसाइटी लिमिटेड तथा द स्वच्छ हरियाणा कोऑपरेटिव एलसी मल्टीपर्पज सोसायटी लिमिटेड को दिया गया था। लेकिन ठेकेदार ने आज तक कुशल कारीगरों की जानकारी नहीं दी।

चेयरपर्सन ने दो दिन में कुशल कारीगरों के आधार नंबर, ईपीएफ व ईएसआई की लिस्ट सौंपने को कहा है। सरोज राठी के अनुसार लाइट रिपेयर एजेंसियों ने शहर की मुख्य सड़कों की लाइट भी आज तक रिपेयर नहीं की है। टेंडर शुरू होने से लेकर अब तक करीब एक हजार मेन रोड की लाइटें बंद हैं। उन्होंने दो दिन में सभी मेन सड़कों की लाइट ठीक करने की रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा नागरिक शिकायतों के लिए नंबर सार्वजनिक नहीं करने पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही शहर में लगी सभी पुरानी लाइटों की सूची भी मांगी है और पुरानी लाइटों की मार्किंग मौके पर दिखाने को भी कहा है।

विकास में हो रहा भेदभाव

पार्षद मोहित राठी के नेतृत्व में वार्ड नंबर-13 के अनेक नागरिकों ने कार्यकारी अधिकारी को मांग-पत्र सौंपा। इसमें मोहित राठी ने आरोप लगाया है कि पिछले 2 साल से नगर परिषद द्वारा उनके वार्ड में कोई विकास कार्य का टेंडर नहीं लगाया गया। सफाई में भी भेदभाव बरता जा रहा है। अधिकारी और चेयरपर्सन वार्ड में विकास नहीं होने के लिए जिम्मेदार हैं। मोहित के अनुसार वार्ड में विकास कार्यों के कई प्रस्ताव नगर परिषद की बैठकों में पारित हो चुके हैं। उनके एस्टीमेट भी बने हुए हैं, लेकिन टेंडर नहीं लगाई जा रहे हैं। जबकि शहर के अन्य वार्डों में टेंडर लगाकर काम भी करवाए जा रहे हैं। उन्होंने आर्य नगर के सामुदायिक केंद्र की पहली मंजिल का निर्माण करने, भगत सिंह कॉलोनी की विभिन्न गलियों का निर्माण करने, आर्य नगर की गली नंबर 6 में गली का निर्माण करने, स्वागत द्वार बनवाने, मरम्मत कार्यों के लिए 25 लाख का टेंडर लगाने, बुजुर्गों के बैठने के लिए 200 बैंचों की व्यवस्था करने तथा वीर सावरकर पार्क के सौंदर्यकरण का टेंडर लगाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 15 दिन में वार्ड के विकास कार्यों के टेंडर नहीं लगाए गए तो नगर परिषद कार्यालय के मुख्य द्वार पर धरना दिया जाएगा। पार्षद के इस पत्र का तुरंत संज्ञान लेते हुए कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिला ने कार्यकारी अभियंता डालचंद को पत्र लिखकर इस बारे में उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं।

नप के गेट पर धरना देने की चेतावनी

राजनीतिक कारणों से वार्ड-13 में विकास कार्य नहीं करवाए जा रहे। कार्यवाही पुस्तिका में प्रस्ताव पास करवाने के बाद भी कोई टेंडर नहीं लगाया गया। यदि अगले 15 दिनों में वार्ड के विकास कार्यों के टेंडर नहीं लगे तो वे वार्ड-वासियों के साथ नप के गेट पर धरना देंगे।

- मोहित राठी, नगर पार्षद

भेदभाव के आरोप राजनीति से प्रेरित

स्ट्रीट लाइटों की रिपेयर में बरती गई अनियमितताओं को लेकर एक्सईएन से रिपोर्ट मांगी गई है। जल्द पूरा शहर जगमग हो जाएगा। वार्ड-13 में पिछले दिनों इस्सरहेड़ी वाले रास्ते का निर्माण करवाया गया था। भेदभाव के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। बजट आने पर पूरे शहर में बिना भेदभाव के विकास कार्य करवाए जाएंगे।

- सरोज राठी, चेयरपर्सन, नगर परिषद

करंट की चपेट में आने से निजी कंपनी में कार्यरत सुपरवाइजर की जान गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

दादरी तोए की एक निजी कंपनी में कार्यरत सुपरवाइजर की बिजली करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब वह शुक्रवार को अपनी विवाह वर्षगांठ वाले दिन कूलर की तार जोड़ रहा था। मृतक की पहचान यूपी के मथुरा जिले के झांसा गांव निवासी करीब चालीस वर्षीय सतीश पुत्र करतार सिंह के तौर पर हुई है। सतीश करीब तीन माह पहले ही दादरी तोए स्थित रिलायंस मेट सिटी में काम करने के लिए आया था। सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत सतीश का मेट सिटी में राजमिस्त्री भेजने का काम था। मामले के जांच अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि मृतक सतीश गुरुग्राम जिले के साजीपुर में किराए पर रहता था। वह जब कूलर का तार जोड़ रहा था तो करंट की चपेट में आ गया। शुक्रवार को ही उसकी विवाह वर्षगांठ भी थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर परिजनों से मामले की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक के भतीजे वेदप्रकाश के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

- मातम में बदली विवाह वर्षगांठ मनाने की खुशियां

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

शहर में चरमराई सफाई व्यवस्था, आमजन परेशान

चौक-चौराहों पर लगे कूड़े के ढेर, दिनभर बेसहारा पशु मुंह मारते रहते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर में इन दिनों चरमराई सफाई व्यवस्था के कारण आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि विभिन्न चौक-चौराहों पर कूड़े के ढेर लगे हुए है। जिसमें दिनभर बेसहारा पशु मुंह मारते रहते है और कूड़ा सड़क के बी चों - बी च तक फैल जाता है। जिसके कारण दिन भर उठने वाली दुर्गंध के कारण यहां से गुजरने वाले राहगीरों व वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन संबंधित इकाई द्वारा इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। जिसके कारण आमजन में रोष भी बना हुआ है। लोगों ने नगर परिषद पर कार्य में लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से सफाई नहीं होने के कारण शहर में कूड़े के ढेर ही दिखाई दे रहे हैं। हालांकि अधिकांश शहर की यहीं स्थिति है, लेकिन पुराना बर्फखाना रोड, गाजीकमाल गेट, माता गेट की हालत सबसे ज्यादा दयनीय है। कूड़े के ढेर फैल कर सड़कों तक पहुंच रहे है। फिर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं होता है तो सीएम

- पुराना बर्फखाना रोड, गाजीकमाल गेट, माता गेट की हालत सबसे ज्यादा दयनीय

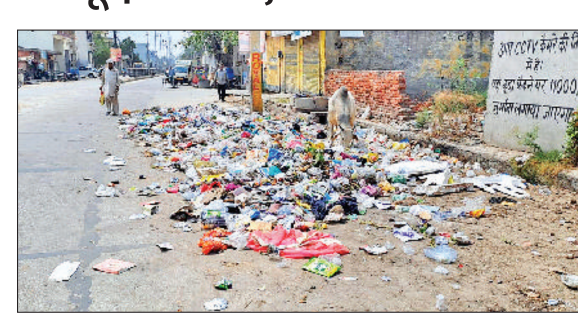

झज्जर। शहर के माता गेट क्षेत्र में लगे कूड़े के ढेर।

कार्रवाई की जाएगी

उधर, इस संबंध में नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी का कहना है कि शहर में सफाई और कूड़ा उठान कार्य नियमित तौर पर किया जा रहा है। फिर भी कहीं कूड़ा उठान कार्य नहीं किया जा रहा है तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई की जाएगी। उनका प्रयास है कि आमजन को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रोहद में मैरिनो कंपनी के नजदीक कार की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान सुमित के रूप में हुई है। सुमित गांव खरहर का निवासी है। रोहद स्थित एक कंपनी में काम करता है। पिछले सप्ताह वह कंपनी से घर की और लौट रहा था। जब रोहद में मैरिनो कंपनी के निकट पहुंचा तो एक स्विफ्ट गाड़ी की चपेट में आ गया। राहगीर उसे अस्पताल ले गए, जहां से उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। परिजनों को सूचना मिली तो वे पीजीआई पहुंचे। वहीं आसौदा थाने से भी पुलिस मौके पर जांच करने पहुंची। एक टीम अस्पताल में गई लेकिन घायल बयान देने की स्थिति में नहीं था। बेहतर ईलाज के लिए परिजन सुमित को बहादुरगढ़ के एक निजी अस्पताल में ले गए। तब से वह आईसीयू में है। अब पुलिस ने बड़े भाई रवि के बयान पर आरोपी गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। गाड़ी का नंबर पुलिस को मिल चुका है।

सीएम से रिकॉर्ड दुरुस्त करवाने की गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मॉडल टाउन की सैनी मार्केट में रहने वाले लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल ग्रीवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी की अगुवाई में मुख्यमंत्री से मिला। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों के खिलाफ शिकायत मुख्यमंत्री को सौंपी। सीएम ने उनकी पीड़ा सुनने के बाद आश्वासन दिया कि जनता को बेवजह परेशान करने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।

शिकायतकर्ता नवीन सैनी, अशोक, सुभाष, कृष्ण सैनी व धर्मेंद्र ने बताया कि वे पिछले दो वर्षों से अपनी जमाबंदी में नाम, रकबा व इंतकाल ठीक करवाने के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। सीएम विंडो पर शिकायत देने के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ। अधिकारी रिकॉर्ड दुरुस्त करने की एवज में सुविधा शुल्क की मांग कर रहे हैं। जबकि गलती अधिकारियों की हैं। उनका रिकॉर्ड ऑनलाइन गलत चढ़ाया गया है। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी के अनुसार तहसील में ऐसे अनेक मामले हैं।

अधिकांश लोग तहसील के चक्कर काटकर थक चुके हैं। लेकिन बिना सुविधा शुल्क दिए उनकी समस्या का समाधान नहीं होता। नागरिकों से अनावश्यक दस्तावेज मांगे जाते हैं, जबकि दलालों को पैसे देने के बाद किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं रहती। उनके अनुसार ऐसे अधिकारियों के कारण ही सरकार की छवि खराब हो रही है।

बहादुरगढ़। मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी पीड़ा उजागर करते मॉडल टाउन निवासी।

एसएचओ ने महिला आयोग की उपाध्यक्ष के कथन को नकारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल द्वारा महिला थाने के निरीक्षण के दौरान कही गई बातों को एसएचओ ने नकार दिया है। एसएचओ का कहना है कि 20 जून को न तो कोई कर्मचारी गैर हाजिर था और न ही थाने में शि का य तें बकाया हैं। हो सकता है उपाध्यक्ष को ठीक से जानकारी न मिल पाई हो।

दरअसल, महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल ने 20 जून को बहादुरगढ़ के महिला थाने का औचक निरीक्षण किया था। तब उन्होंने मीडिया के सामने थाने में स्टाफ गैरहाजिर होने व शिकायतों पर कार्रवाई न होने की बात कही थी। उस दौरान थाने की एसएचओ राजेश देवी छुट्टी पर थी। शनिवार को वह ड्यूटी पर लौटी तो मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी और उपाध्यक्ष द्वारा कही गई बातों को सिरे से नकार दिया है। इंस्पेक्टर राजेश देवी ने कहा कि वीरवार को वह छुट्टी पर थी और उसी दिन उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल ने थाने का निरीक्षण किया। उनका कथन था कि थाने में शिकायतें पेंडिंग हैं और अधिकांश स्टाफ गैर हाजिर था। जबकि ऐसा नहीं है, हमारे थाने में स्टाफ जिम्मेदारी से काम करता है।

कोई भी शिकायत बकाया नहीं है। शिकायत आती है तो शिकायतकर्ता को रसीद दी जाती है। फिर संबंधित पक्षों को नोटिस देकर बुलाया जाता है। इसके बाद में फीडबैक भी लेते हैं। शिकायतकर्ता की संतुष्टि के लिए हर आवश्यक कार्रवाई करते हैं। अभी तक कोई ऐसी शिकायत नहीं है, जिस पर कार्रवाई न हुई हो।

- महिला थाना प्रभारी के अनुसार थाने में कोई शिकायत पेंडिंग नहीं, स्टाफ भी जिम्मेदारी से कर रहा काम

बहादुरगढ़। एसएचओ राजेश देवी

20 जून को सभी कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर थे

थाने में एक जनवरी से लेकर अभी तक कुल 172 शिकायत प्राप्त हुई हैं। इनमें से 160 का निपटारा हो चुका है, शेष 12 शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई जारी है। जहां तक हाजिरी की बात है तो कोई भी कर्मचरी किसी प्रकार की ड्यूटी पर जाता है तो उसको रोजनामचे में दर्ज किया जाता है, जिसको समय-समय पर अधिकारी चेक करते हैं। गत 20 जून का रिकार्ड भी उन्होंने चेक किया और सभी कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर थे। हो सकता है आयोग की उपाध्यक्ष को ड्यूटी रिकार्ड की पूरी जानकारी न मिल पाई हो।

टांडाहेड़ी में फंदे पर लटका मिला शव

बहादुरगढ़। गांव टांडाहेड़ी में एक व्यक्ति का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान करीब 35 वर्षीय संदीप के रूप में हुई है। संदीप मेहनत मजदूरी करता था। शुक्रवार की शाम को वह अपने घर पर था। देर रात को वह फंदे पर लटकता देखा गया। परिजनों की नजर पड़ी तो उन्होंने संभाला, लेकिन देर हो चुकी थी। अस्पताल में ले गए तो डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि कर दी। सूचना पाकर सदर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। परिजनों के बयान के बाद शनिवार को शव का पोस्टमार्टम करा दिया। परिजनों ने किसी तरह की आशंका नहीं जताई है। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से वह घरेलू कारणों के चलते मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। संभवतः इसी वजह से उसने यह कदम उठा लिया।

गर्मी का कहर | बाजार में पसरा रहता है सन्नाटा, दुकानदार परेशान

कारोबार पर गर्मी की मार, दुकान एवं लेबर खर्च निकालना हो रहा मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

तेज गर्मी की तपिश के चलते बाजार में आई ग्राहकों की कमी के कारण दुकानदार आजकल मंदे की मार झेलने को मजबूर हैं। यदि दोपहर के समय बाजार का दौरा किया जाए तो वहां सन्नाटा पसरा नजर आता है। दुकानदारों का कहना है कि बेशक पिछले दो-तीन दिनों से बदले मौसम के कारण लोगों को गर्मी से आंशिक राहत मिली हो लेकिन बाजार में ग्राहक ना के बराबर आ रहा है जिस कारण सभी दुकानदारों के व्यापार पर इसका प्रभाव दिखाई देता है। यदि दुकानदारों की माने तो अब केवल सुबह व शाम के समय ही थोड़ी बहुत दुकानदारी हो पाती है जिससे बामुश्किल दुकान व लेबर का खर्चा निकलता है। चाहे खाद्य पदार्थों की दुकान हो, चाहे वस्त्रों या फिर सौंदर्यप्रसाधन की सभी दुकानदार लगभग पूरा दिन ग्राहकों के इंतजार में बैठे रहते हैं। अदरक व लहसून विक्रेता मंजीत ने बताया कि कई बार ऐसा भी होता है जब दोपहर तक बोहनी तक नहीं हो पाती। तेज गर्मी के कारण लोग धूप में निकलने से बचते हैं। पकौडे.विक्रेता संदीप सैनी व पप्पु सैनी ने बताया कि पहले के दिनों में उन्हें बैठने की फुर्सत भी नहीं मिलती थी लेकिन अब वे ग्राहकों के इंतजार में बोर हो जाते हैं। बिक्री में भी कमी आई है। यदि बरसात होती है और तापमान में कमी आती है तो उनकी बिक्री में इजाफा होने की उम्मीद है।

झज्जर। दोपहर के समय खाली बैठे दुकानदार,दोपहर के समय बाजार में पसरा सन्नाटा। फोटो : हरिभूमि

सैकड़ों आइटम रखने के बावजूद ग्राहकों की कमी

सौंदर्य प्रसाधन की दुकान के संचालक टिंकू ने बताया कि उनकी दुकान में सौंदर्य प्रशासन से लेकर घरेलू सामान तक सैंकड़ों आइटम हैं। सामान की अधिकता व हर समय ग्राहकों की भरमार रहने के कारण उनकी दुकान में छह वर्कर कार्यरत हैं लेकिन अब तेज गर्मी में ग्राहकों की कमी के कारण कुछ कर्मचारियों का वेतन भी अपनी जेब से देने की नौबत आ गई है।

अंबेडकर चौक का रास्ता न खुलने से भी परेशानी

दुकानदार गुलशन धींगड़ा का कहना है कि एक तो गर्मी के मौसम में पहले से ही ग्राहक कम आ रहे हैं दूसरी ओर अंबेडकर चौक पर ही में किए गए सड़क निर्माण कार्य के कारण उसका रास्ता सुचारू न हो पाने के कारण भी ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहक नहीं पहुंच रहे। शहर का ग्राहक केवल शाम के समय ही खरीददारी के लिए निकलता है।

बच्चों को दिखा लाए जादूगर का शो

इलेक्ट्रिकल्स दुकान के संचालक रवींद्र ने बताया कि उनका हैमर व मशीन कटर आदि बेचने व रिपेयरिंग का काम है। पहले उनकी दुकान पर अलसुबह ही राजमिस्त्री कटर मशीन रिपेयरिंग कराने व भवन निर्माण कार्य में लगे हैमर आदि खरीदने के लिए पहुंच जाते थे। अब गर्मी के दिनों में बिजली गुल रहने से जहां रिपयेरिंग का धंधा भी मंदा हो गया है। ग्राहक ना होने के कारण वह बच्चों को जादूगर सम्राट शंकर का शो भी दिखा लाया है।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात करते शतीश नंबरदार।

नंबरदार ने की केंद्रीय मंत्री से मुलाकात

बहादुरगढ़। वरिष्ठ भाजपा नेता शतीश नंबरदार ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। उन्हें ऊर्जा व शहरी विकास मंत्री बनाए जाने पर बधाई दी। साथ ही बहादुरगढ़ विधानसभा में पार्टी के प्रचार-प्रसार को लेकर किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। मुलाकात के दौरान खट्टर ने भी कहा कि केंद्र की भांति ही हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी।

सम्मेलन की सफलता पर जताया आभार

बहादुरगढ़। इनेलो के कार्यकारी जिलाध्यक्ष रामनिवास सैनी, हलकाध्यक्ष राजेंद्र उर्फ पप्पू कानोंदा और शहरी अध्यक्ष अनिल मदान ने शुक्रवार को हुए कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए प्रत्येक वर्कर का आभार जताया है। उनके अनुसार सम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने साबित कर दिया है कि इनेलो का ग्राफ दिनोंदिन बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से हर वर्ग दुखी व परेशान है। भाजपा सरकार द्वारा पोर्टल के माध्यम से प्रदेश की जनता को केवल परेशान किया जा रहा है। बेरोजगारी, अपराध, महंगाई और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना बावल पुलिस ने 18 जून को दर्ज किए गए केस में पनवाड़ निवासी रविंद्र उर्फ तितरिया को गिरफ्तार किया है। थाना खोल पुलिस ने रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप में नांगल जमालपुर निवासी कमल को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ गत वर्ष 23 दिसंबर को केस दर्ज किया गया था।

एक्सीडेंट के बाद ई-रिक्शा चालक लापता

रेवाड़ी। हरीनगर के पास ई-रिक्शा एक्सीडेंट होने के बाद उसका चालक लापता हो गया। पुलिस शिकायत में कुतुबपुर निवासी नरेंद्र बताया कि वह ई-रिक्शा किराए पर देता है। उसकी ई-रिक्शा को कुतुबपुर का रहने वाला संदीप लेकर गया था। ई-रिक्शा हरिनगर फ्लाईओवर के पास एक्सीडेंट हो गई। उसके बाद चालक संदीप लापता हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला।

धानक धर्मशाला में कबीरदास की जंयती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन

रचनाओं और दोहों के माध्यम से संत कबीर ने दिया एकजुट होने का संदेश

समिति सदस्यों ने धर्मशाला परिसर में मार्शल आर्ट से संबंधित खेलों का प्रशिक्षण लेने वाले खिलाड़ियों के साथ संत कबीरदास की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पित करते हुए उन्हें नमन किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

धानक समाज उत्थान समिति द्वारा शनिवार को शहर के पुरानी तहसील मार्ग पर स्थित धानक धर्मशाला में कबीर जंयती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान समिति सदस्यों ने धर्मशाला परिसर में मार्शल आर्ट से संबंधित खेलों का प्रशिक्षण लेने वाले खिलाड़ियों के साथ संत कबीरदास की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पित करते हुए उन्हें नमन किया। समिति महासचिव बलवान सरोहा ने अपने संबोधन में कहा कि संत कबीरदास ने लोगों को सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने दोहों व रचनाओं के माध्यम से लोगों को एकजुट होकर बगैर किसी भेदभाव के सादगीभरा जीवन जीने की प्रेरणा दी। इस दौरान प्रशिक्षक रमेश खन्ना, नेहा, मुकुल रंजन, ऋषि, खुशी थराण, पायल, अंजू किराड़, आशु, खुशबू, यशिका, मुस्कान, शीतल, शिखा, कनिका, साक्षी, रामा, रिया, संध्या, दीपिका इंदौरा, कविता, हार्दिक, मोनू, शारदा आदि मौजूद रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान संत कबीरदास जी को नमन करते हुए समिति सदस्य एवं खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। भदाना गांव की चौपाल में बनाया गया संत कबीरदास का रेखाचित्र।

रेखाचित्र बनाकर किया संत कबीरदास को नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव भदाना की चौपाल में शनिवार को संत कबीर जयंती के उपलक्ष्य में भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा व अंशुल शर्मा ने उनका एक रेखाचित्र बनाया। मुकेश शर्मा ने बताया कि कबीरदास जी का जन्म वाराणसी में एक जुलाहा परिवार में हुआ था।

जुलाहा जाति सूत कातकर कपड़ा बुनने का कार्य करती थी। उनकी माता का नाम नीमा, पिता का नाम नीरू था। उनकी पत्नी का नाम लोई था। उनके दो बच्चे थे जिनका नाम कमाल व कमाली था। वे एक समाजसुधारक, कवि व ऐसे संत थे जिनकी रचनाओं ने अनंत भक्ति संदेश दिए। उन्होंने लोगों को आडंबर मुक्त कर समाज में समानता लाने का प्रयास किया।

उनकी रचनाएं व दोहे आज भी हिंदी साहित्य में विद्यार्थियों को पढ़ाए जाते हैं। चौपाल रंगोली में पूर्व सैनिक देवीदत्त शर्मा, सूबेदार सुभाष शर्मा, श्रीभगवान कौशिक, रमेश कौशिक, मास्टर वेदप्रकाश, वेदपाल, गोपाल, अंकुश, केशव शर्मा, धीरज, सचिन, रवि वशिष्ठ, नसीब कौशिक, धर्म कौशिक, अर्जुन शर्मा, अलीशा शर्मा आदि ने भी संत कबीरदास को नमन किया।

कबीर पर लिखे स्लोगन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में संत कबीर दास जयंती के उपलक्ष में स्वयंसेविकाओं ने उनके जीवन से प्रेरित होकर स्लोगन बनाए। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि संत कबीर दास जी के आदर्श और उनकी शिक्षाएं हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने समाज में समानता, एकता और भाईचारे के महत्व को समझाया और हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। उनकी शिक्षाएं समाज में सद्भावना और प्रेम को बढ़ावा देने की प्रेरणा देती है।

बहादुरगढ़। संत कबीर पर लिखा स्लोगन दिखाती स्वयंसेविका। फोटो: हरिभूमि

कबीरदास ने लोगों को दिखाया सत्य का मार्ग : संत सुरेहती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव सुरेहती में संत कबीरदास की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांव की हरिजन चौपाल में आयोजित इस कार्यक्रम में चौपाल कमेटी सदस्यों ने संत कबीरदास जी की प्रतिमा पर पुष्पार्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इस दौरान भारतीय खाद निगम राष्ट्रीय क्षेत्र दिल्ली की राज्य परामर्श समिति सदस्य संत सुरेहती ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कबीरदास जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी एक विशेष कौम या समुदाय के नहीं होते। उन पर पूरे समाज का हक होता है। कबीरदास जी ने समाज के लोगों को सत्य का मार्ग दिखाया। उन्होंने लोगो को दूसरों के प्रति दयाभाव रखने, सदैव एक-दूसरे के साथ मिलजुल कर रहने का संदेश दिया।

इस दौरान चौपाल कमेटी सदस्य प्रभु, रामकिशन, करतार, जिले सिंह, धर्मबीर दरोगा, जगदीश, रामनिवास व राज सिंह ने मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह के रूप में संत कबीरदास की प्रतिमा देकर सम्मानित किया।

इस दौरान आयोजक कमेटी द्वारा भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

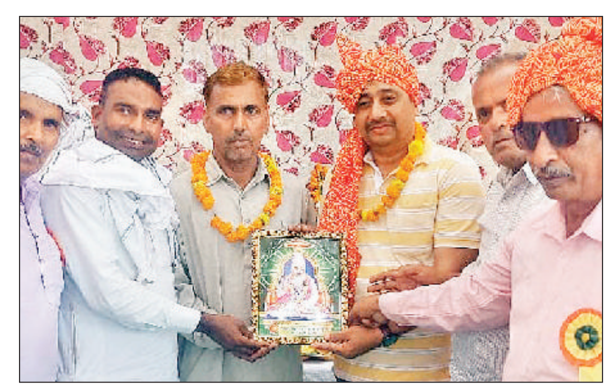

झज्जर। संत सुरेहती को प्रतिमा देकर सम्मानित करते हुए आयोजक कमेटी के पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

कबीर जयंती व योग दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

सत कबीर कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस व संत कबीर जयंती का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉ. हरकिशन छिल्लर व सचिव दया किशन छिलर ने सभी प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को योगासन, प्राणायाम करवाया। उन्होंने बताया कि हम सभी को योग व प्राणायाम अवश्य करना चाहिए। योग के सहारे मन को शक्ति मिलती है और दिमाग भी स्वस्थ रहता है। डॉ. हरकिशन छिल्लर व दयकिशन छिल्लर ने सत कबीर और व सत गरीब दास को भोग लगाकर सत्संग की शुरूआत की। सत कबीर की शब्दवाणी के साथ उनके दोहे के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि सत कबीर के दोहों का जीवन में बहुत ही महत्व है। उनके दोहे आज के जीवन के मूल्यों को दर्शाते हैं। इस उपलक्ष्य पर उप-प्रधानाचार्य नवीन कुमार, फामेर्सी प्रधानाचार्य कनिका, प्राध्यापक डॉ. राजीव गोयल, मनोज टांडाहेड़ी, शिव रोहिल्ला, हीरालाल, मुकेश, सुमित दलाल, डॉ प्रदीप, मीनाक्षी, पुनीत, भूपेंद्र, योगेश, तरुण, मोहित, ममता, रेणु राठी, नेहा, सुमिरन, वर्षा, प्रिया, नविता, मोनिका, स्वीटी, अमित तहलान, देवेंद्र, अनीता, निशांत व सुमन आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। शब्दवाणी पढ़ते डॉ. हरकिशन छिल्लर व अन्य। फोटो: हरिभूमि

छिल्लर ने धार्मिक कार्यक्रमों में लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शनिवार को कई गांवों में धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम हुए। इनमें जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने शिरकत की। छिल्लर ने जसोर खेड़ी गांव में हर श्रृंगी देवी माता मंदिर पर आयोजित भंडारा कार्यक्रम में शिरकत की और 5100 रुपए का सहयोग दिया। फिर गढ़ी रणढाला धाम में दादा भइयां के विशाल भंडारे में शिरकत की।

उन्होंने बताया कि यहां पर बाबा इंदर दास जी ने 12 मई से 22 जून तक नौ धूणी तपस्या की। यहां भंडारे में उन्होंने 51 हजार रुपए का दान दिया। बराही गांव में माता रानी मंदिर पर आयोजित भंडारे में रविंद्र ने प्रसाद ग्रहण किया तथा 11 हजार रुपए का सहयोग किया। फिर लडरावण गांव में चौगान माता मंदिर पर आयोजित भंडारे में शिरकत करते हुए 5100 रुपए का दान दिया। लडरावण में ही संत कबीर दास जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कबीर साहिब की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया तथा भंडारे में 5100 रुपए का सहयोग किया।

बहादुरगढ़। लडरावण गांव में संत कबीर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते रविंद्र छिल्लर। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। नीट परीक्षा के लिए बनाया गया केंद्रीय विद्यालय परीक्षा केंद्र। फोटो: हरिभूमि

नीट परीक्षा आज, शहर में बनाए दो परीक्षा केंद्र, लगाई धारा 144

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा रविवार को आयोजित होने वाली नीट यानि राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (यूजी) 2024 को लेकर जिला में परीक्षा केंद्रों के बाहर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दौ सौ मीटर की परिधि में धारा 144 लागू रहेगी। जिलाधीश कैप्टन शक्ति सिंह द्वारा जारी आदेश अनुसार यह परीक्षा 23 जून को दोपहर बाद दो बजे से शाम पांच बजकर 20 मिनट आयोजित होगी। इस अवधि में परीक्षा केंद्रों की दो सो मीटर की परिधि में फोटो स्टेट की दुकानें बंद रहेंगी। बता दें कि शहर में दो परीक्षा केंद्र बनाए गए है। जिसमें केंद्रीय विद्यालय और पुलिस लाईन परिसर स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल शामिल है। दोनों परीक्षा केंद्रों पर करीब 494 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

जुआ खिलाने के आरोप में गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

सेक्टर-6 थाना पुलिस ने पत्ता खिलाने के नाम पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सेक्टर-6 थाने में केस दर्ज किया गया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि पटेल नगर में पुलिया नंबर तीन के पास पत्ता जुआ खिला रहा है। इस सूचना पर एक टीम वहां गई और आरोपी को काबू किया।

आरोपी के पास से कुछ रुपये बरामद हुए। उसके हिरासत मे ले लिया गया। आरोपी की पहचान योगेश के रूप में हुई है। जाखोदा का रहने वाला है। आरोपी से पूछताछ जारी है।

भांजे पर लगाया मारपीट करने का आरोप

झज्जर। छप्पार गांव निवासी एक बुजुर्ग महिला ने अपने भांजे पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में करीब 65 वर्षीया शकुंतला पत्नी उमेद सिंह ने बताया कि उसकी छोटी बहन निर्मला की शादी भी इसी गांव में हुई है। उसके पास दो लड़के हैं बड़े पुत्र का नाम अनिल व छोटे पुत्र का नाम नवीन है। मेरा पुत्र मनीष उर्फ मिन्टू व अनिल साथ रहते हैं। शंकुतला के अनुसार बीती 16 मई को अनिल दो-तीन दिनों के लिए उनकी बाइक मांग कर ले गया। जब वह वापिस देने के लिए नहीं आया तो 24 मई को उन्होंने डायल 112 पर इसकी शिकायत दी। इसके बाद जब अनिल ने मोटर साइकिल वापिस देने की बात की उन्होंने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। लेकिन अनिल द्वारा अभी तक न केवल उनकी बाइक वापस दी बल्कि बीती 20 जून को जब वह प्लाट में गोबर डाल कर वापस आ रही थी उसने उसी बाइक से टक्कर मारी तथा लोहे के सरिए से उसके पैर में चोट पहुंचाई। इसके अलावा गर्दन दबाने का प्रयास भी किया। गांव वालों के एकत्रित होने पर वह वहां से चला गया। इसके बाद उसे उपचार के लिए पहले ढाकला के अस्पताल ले जाया गया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे स्थानीय नागरिक अस्पताल रैफर कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ज्ञात-अज्ञात शहीदों को सम्मान दिलाना हमारा दायित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी में हिंदी एवं हरियाणवी भाषा के निदेशक डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी के अनुसार महर्षि दयानंद सरस्वती और उनके लाखों अनुगामियों के बलिदानों से प्राप्त इस आजादी की रक्षा के साथ-साथ स्वतंत्रता की बलिवेदी पर शहीद हुए सभी ज्ञात-अज्ञात शहीदों को यथोचित मान-सम्मान देना भी हमारा प्रमुख दायित्व है। उनके अनुसार निहित स्वार्थों पर आधारित राजनीति के चलते असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को जान बूझकर उपेक्षित किया गया। वहीं विभाजन की विभीषिका झेल चुके परिवारों से जुड़े लोग भी अपनी आजीविका सहित अन्य समस्याओं के चलते इस दिशा में निष्क्रिय बने रहे। उन्होंने कलमवीर विचार मंच के संस्थापक कृष्ण गोपाल विद्यार्थी से भी इससे संबंधित प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराने में सहयोग मांगा।

बहादुरगढ़। कृष्ण गोपाल विद्यार्थी के साथ डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारियों के साथ उपस्थित अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

छोटे प्रयासों से होंगे बड़े बदलाव

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-13 सेवा केंद्र में हुए कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में एसडीएम परमजीत सिंह, नायब तहसीलदार रविंद्र शर्मा और डॉ. नीलम पवार उपस्थित रहे। एसडीएम परमजीत सिंह ने कहा कि हमें आवश्यकता अनुसार ही उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव संभव हैं। कार्यक्रम के दौरान छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सबका मन मोह लिया। कुमारी नव्या, जाह्नवी और कशिश ने अपने सुंदर नृत्य प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बीके डॉ. लवकेश भाई ने शारीरिक स्वास्थ्य पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम रसोई में उपलब्ध सामग्री से भी कई बीमारियों का उपचार कर सकते हैं और कुछ सरल प्राणायाम करके भी स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं। मुख्य संचालिका बीके अंजलि दीदी ने बताया कि इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लाल किले पर आयोजित कार्यक्रम में बहादुरगढ़ से 500 भाई-बहनों ने भाग लिया। बीके रेणु दीदी ने सभी का स्वागत किया। बीके डॉ. सुरेंद्र गोयल ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम के अंत में सभी को आध्यात्मिक साहित्य एवं प्रसाद वितरित किया गया।

एमएसपी में बढ़ोतरी को बताया नाकाफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडौठी के अनुसार भाजपा सरकार ने 14 फसलों के लिए घोषित एमएसपी में पिछले साल से केवल 5-7 प्रतिशत ज्यादा बढ़ोतरी की है। एमएसपी में इतनी मामूली वृद्धि की घोषणा करते हुए मोदी सरकार ने इस कीमत पर मंडियों में खरीद की गारंटी देने की कोई घोषणा नहीं की है। ऐसा होने तक किसानों की लूट जारी रहेगी और सस्ता खरीद कर बाजार में खाद्य पदार्थों को महंगा बेचने से बिचौलियों को फायदा होता रहेगा।

कामरेड जयकरण ने बताया कि धान के लिए घोषित एमएसपी उत्पादन की वास्तविक लागत के लगभग बराबर है। अन्य फसलों पर भी इसी तरह का नुकसान होगा। भाजपा ने खुद राज्य चुनावों के दौरान ओडिशा में धान के लिए 3100 रुपए प्रति क्विंटल और पिछले साल छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश चुनावों के दौरान इतनी ही राशि का वायदा किया था, परंतु घोषणा 2300 रुपए की है।

कंपनियां बीज, उर्वरक, कीटनाशक और कृषि उपकरणों की लागत कीमतों में लगातार वृद्धि कर रही हैं और सरकार उन पर अधिकतम 18 से 28 प्रतिशत जीएसटी लगा रही हैं। जबकि स्वामीनाथन आयोग के अनुसार संपूर्ण लागत का कम से कम डेढ़ गुना एमएसपी घोषित हो तथा उस एमएसपी पर सभी फसलों की खरीद की गारंटी सरकार दे।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। कैंप का शुभारंभ करते सतीश छिकारा व रमेश लाठर।

छोटूराम नगर में स्वास्थ्य जांच शिविर

बहादुरगढ़। शहर के छोटूराम नगर में शनिवार को सेवा भारती झज्जर के प्रयासों से एचएसआईएल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें धर्मवीर देशवाल की अहम भूमिका रही। कैंप का शुभारंभ भाकिसं के प्रदेश अध्यक्ष सतीश छिकारा और सेवा भारती के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश लाठर ने किया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों का स्वास्थ्य जांचने उपरांत आवश्यकता अनुसार दवाइयों भी दी गई। इस मौके पर कृष्ण वीर राठौर, कुलबीर जून, वीरेंद्र कटारिया, नागेंद्र लाकड़ा, नरेश राठी, नीरज मलिक और डॉ. उमेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

तंबाकू बिक्री के नियमों की पालना करने के दिए निर्देश

झज्जर। डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों को देखते हुए, प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने तंबाकू निषेध को लेकर बड़े कदम उठाए हैं। तंबाकू सेवन से जुड़े जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण नियम और कानून लागू किए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा इन नियमों की पालना के निर्देश दिए।

मां वैष्णो चौक पर व्यापारियों के सहयोग से लगाया भंडारा

ज्येष्ठ पूर्णिमा के उपलक्ष्य में कढ़ी चावल का प्रसाद किया वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर के मेन बाजार स्थित मां वैष्णो चौक पर शनिवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा के उपलक्ष्य में कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया। दुकानदार रमेश सोनी ने बताया कि सभी व्यापारियों के सहयोग से इस भंडारे का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान श्री हनुमान चालीसा पाठ व आरती के उपरांत मां भगवती की पूजा-अर्चना के बाद उन्हें भोग लगाकर भंडारे की शुरूआत की गई। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में राहगीरों व श्रद्धालुओं ने भाग लिया। लोगों को दिए अपने संदेश में उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन और प्यासे को पानी पिलाने से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। मां वैष्णों मित्र मंडल के प्रधान संजय भाटिया ने कहा कि ज्येष्ठ मास में अन्नदान का बड़ा महत्व है। स्थानीय लोग और संस्थाएं मिलकर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करते है जिनसे सेवा व परोपकार की भावना को प्रोत्साहन मिलता है। इस मौके पर सुरेंद्र कत्याल, रविंद्र गोयल, ईश्वर सिंघल, सुशील वर्मा, विनोद मदान, लवली रहेजा, नरेंद्र वर्मा, हेमंत हंस, कृष्ण सैनी, सुमन खुराना, नयन हंस, आशा सोलंकी, श्रीजांगड़ा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। कढ़ी चावल का प्रसाद ग्रहण करते हुए राहगीर तथा कच्चा बाबरा रोड पर राहगीरों को शरबत पिलाते हुए युवा। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। भंडारे के दौरान महाराज का आशीर्वाद लेते दिनेश कौशिक।

छबील लगाकर राहगीरों को पिलाया ठंडा शरबत

झज्जर। ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के उपलक्ष्य में कच्चा बाबरा रोड पर श्रद्धालुओं द्वारा छबील लगाकर राहगीरों को शरबत पिलाया गया। फायर ब्रिगेड कार्यालय के सामने छबील लगाकर राहगीरों को ठंडा शरबत पिलाने के दौरान बच्चों में उत्साह रहा। उन्होंने आगे बढ़कर पैदल राहगीरों व वाहनों में सवार लोगों को रोक-रोक कर शरबत पिलाया। इस दौरान छबील की सेवा में पूर्व पार्षद राव नाहर सिंह, राव मटरू, राव दीपक, राव बिजेंद्र, विष्णु, राकेश पेंटर, जोनी, प्रवीण, श्याम, नितेश, दीपेश, बिल्लू सैनी, श्रीनिवास यादव सहित अन्य ने भी सहयोग दिया। इसके अलावा रेवाड़ी रोड स्थित बल्लूवाली कुईं के सामने भी श्रद्धालुओं द्वारा ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा पर भंडारे का आयोजन किया गया।

कई गांवों में हुए भंडारों में छका प्रसाद

बहादुरगढ़। गांव बामड़ोली में जय दादा भैया मंदिर पर भंडारा आयोजित किया गया। इसमें समाजसेवी दिनेश कौशिक ने भी शिरकत की। उन्होंने गांव निजामपुर, कानोंदा, नया गांव, ओमेक्स कसार में हुए भंडारों में भी प्रसाद ग्रहण किया। इसके अलावा मांडोठी में आयोजित दादा सीताराम मंदिर के भंडारे में भी उन्होंने शिरकत की।

झज्जर। सवेरा स्कूल में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हुए श्रद्धालु।

भंडारे में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

झज्जर। शनिवार को सवेरा स्कूल परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह यज्ञ-हवन व कन्या पूजन के साथ विधिवत रूप से भंडारे की शुरूआत की गई। हुक्का क्लब सदस्यों ने बताया कि पिछले दस वर्षों से वे इस वार्षिकोत्सव का आयोजन करते आ रहे हैं। भंडारे की पूर्व रात्रि सत्संग का आयोजन भी किया गया था जिसमें क्षेत्रीय गायक कलाकारों द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान शहरी क्षेत्र के अलावा निकटवर्ती गांवों के सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने भी भंडारे में पहुंच कर प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर विनोद, सुरेंद्र, अमित सहरावत, राजेश, गोपाल व नवीन सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। एडवोकेट बलबीर सिंह को हर श्रृंगी देवी माता की तस्वीर भेंट करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

जसोर खेड़ी में माता मंदिर पर हुआ भंडारा

बहादुरगढ़। गांव जसोर खेड़ी में स्थित हर श्रृंगी देवी माता मंदिर में आयोजित भंडारे में भाजपा नेता एडवोकेट बलबीर सिंह ने भी प्रसाद वितरण सेवा में हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने हर श्रृंगी देवी माता मंदिर की तस्वीर भेंट कर उनका सम्मान किया। एडवोकेट बलबीर सिंह ने हर श्रृंगी देवी माता की पूजा अर्चना कर सभी हलका वासियों के जीवन मे सुख व समृद्धि की कामना की। उन्होंने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया तथा प्रसाद वितरण का सेवा कार्य भी किया।

मूर्ति स्थापना वार्षिकोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

श्री श्याम प्रचार मंडल द्वारा हरिपुरा मौहल्ला स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में मूर्ति स्थापना एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुजारी विनय तिवारी ने मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ-हवन संपूर्ण कराते हुए सर्व मंगल की कामना की। उन्होंने कहा कि सुख शांति स्वास्थ्य व समृद्धि की कामना के लिए हवन करना हिंदू धर्म में प्रमुख कर्म माना जाता है।

हवन की अग्नि से आसपास की नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है और जीवन में खुशहाली आती है। आयोजक समिति सदस्य आनंद सिंगला ने बताया कि मंदिर में बाबा खाटू श्याम जी की मूर्ति स्थापना के प्रथम वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में हवन एवं आरती के बाद श्रद्धालुओं में कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

झज्जर। मंदिर में हवन कार्यक्रम के दौरान मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। लोक संगीत कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

अशोका स्कूल में लोक संगीत कार्यक्रम

बहादुरगढ़। हरियाणा के लोक साहित्य और संगीत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को अशोका इंटरनेशनल स्कूल में लोक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पानीपत के राम मेहर सैनी और उनकी टीम ने प्रस्तुति दी। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के डॉ. नरेश कुमार वत्स द्वारा शुरू की गई लोक साहित्य पर एक परियोजना के तहत कार्यक्रम हुआ। उनके अनुसार हरियाणवी संस्कृति रागनी का प्रदर्शन लुप्त हो रहा है। विद्यालय निदेशिका विजय लक्ष्मी ने समाज की धरोहर रूपी संस्कृति को बनाए रखने के लिए सहयोग दिया गया।

बहादुरगढ़ को जिला बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

- कंवरपाल गुज्जर के नेतृत्व में कमेटी गठित की

विधायक राजेंद्र सिंह जून।

आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व हरियाणा में नए जिलों के गठन के लिए नायब सैनी सरकार द्वारा कंवरपाल गुज्जर के नेतृत्व में एक सब कमेटी गठित की गई है। इनमें बहादुरगढ़ का नाम शामिल नहीं है, जिस पर यहां के लोगों ने निराशा जताई है। स्थानीय विधायक राजेंद्र सिंह जून ने भी सरकार से बहादुरगढ़ को प्राथमिकता के आधार पर जिला बनाने की मांग की है। विधायक राजेंद्र जून का कहना है कि जिला गठन में हमेशा से ही बहादुरगढ़ की उपेक्षा की जाती रही है। एक बार फिर इसको नजरअंदाज करके कुछ अन्य छोटे शहरों को जिला बनाने की कवायद नायब सरकार कर रही है। जबकि बहदुरगढ़ को गुरुग्राम और फरीदबाद के साथ हरियाणा में औद्योगिक नगरी घोषित किया गया था। देश की राजधानी से सटे एनसीआर के सभी शहरों में बहादुरगढ़ ही एकमात्र ऐसा शहर बचा है जो जिला के दर्जे से वंचित है। उपचुनाव जीतने की राजनीतिक मजबूरी के चलते बंसीलाल की सरकार द्वारा वर्ष 1997 में झज्जर को जिला बनाने के समय से ही बहादुरगढ़ के लोग जिला के दर्जे के लिए लगातार संघर्ष करते रहे हैं, लेकिन सरकार द्वारा हमेशा इसे नजरअंदाज किया जाता रहा है। सभी मानदंडों पर खरा उतरने वाले बहादुरगढ़ द्वारा जिला का दर्जा मांगना जायज है। जल्द से जल्द बहादुरगढ़ को जिले का दर्जा दिया जाए, ताकि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो सके। प्रदेश में हमारी सरकार आने पर हम प्राथमिकता के साथ बहादुरगढ़ को जिले का दर्जा देकर लोगों के सपने को साकार करेंगे।

एक माह में छीना झपटी की कई वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

- गत माह हुई थी दर्जनभर वारदात

इलाके में आपराधिक वारदात थमने का नाम नहीं ले रही। लगातार छीना झपटी और लूटपाट के मामले सामने आ रहे हैं। अब एक और युवती से मोबाइल छीनने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस को शिकायत दे दी है। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पिछले करीब महीने भर में लगभग दर्जनभर छीना झपटी, लूटपाट की वारदात हो चुकी हैं। वारदात अंजलि के साथ हुई है। अंजलि मूलतः गोहाना से है और फिलहाल यहां महावीर पार्क में स्थित एक पीजी में रहती है। एमआइई स्थित एक कार शोरूम में काम करती है। कुछ दिन पहले वह ड्यूटी पूरी कर घर लौट रही थी।

जब पीजी के निकट गली में पहुंची तो पीछे से बाइक सवार दो युवक आए और उससे मोबाइल छीनकर भाग गए। उसने शोर मचाया लेकिन शातिर भागने में कामयाब रहे। भय के कारण वह थाने जाने के बजाय अपने गांव चली गई। अब आकर शिकायत दी है। दूसरी तरफ पुलिस ने उसकी शिकायत पर संज्ञान लेते हुए केस दर्ज कर लिया है। बता दें कि बहादुरगढ़ इलाके में पिछले कुछ समय से छीना झपटी और लूटपाट की वारदातों में इजाफा हुआ है। यहां बीते महीनेभर में दो कार शोरूम और दो पेट्रोल पंप पर लूटपाट की वारदात हो चुकी है। लाइनपार में किशोर से लॉकेट छीनने, कबाड़ी मार्केट में महिला के गले से चेन खींचने, सेक्टर-2 में महिला से बैग झपटने, सरकारी अस्पताल के पास युवक से मोबाइल छीनने सहित कई अन्य वारदात हुई हैं। घरों, दुकानों और वाहन चोरी की वारदात भी नहीं थम रही। इन वारदातों से पुलिस की मशक्कत भी बढ़ रही है, वहीं आम नागरिकों को नुकसान हो रहा है।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नीलम अहलावत ने कांग्रेस को बताया महिला विरोधी

- महिलाओं को कहे अपशब्द घटिया मानसिकता को दर्शाते है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

महिला मोर्चा भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं झज्जर केंद्रीय सहकारी बैंक की चेयरपर्सन नीलम अहलावत ने कहा कि हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश द्वारा महिलाओं के लिए कहे अपशब्द उनकी घटिया मानसिकता को दर्शाते हैं।

महिलाओं की आलोचना करते हुए देश को पुरुष प्रधान देश कहने वाले सांसद शायद यह नहीं जानते कि हमारे शास्त्रों में जहां महिलाओं को प्रथम स्थान दिया गया है वहीं यह भी कहा गया है कि जहां स्त्रियों की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। नीलम अहलावत ने कहा कि यदि उन्हें कांग्रेस का इतिहास पता होता तो भी वह महिलाओं के लिए इस प्रकार के अपशब्द नहीं बोलते, क्योंकि कांग्रेस को पहले इंदिरा गांधी और अब सोनिया गांधी चला रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया। उन्हें विश्वास है कि महिलाएं देश की विरासत को संभाल सकती है। भाजपा में महिलाओं के सम्मान को देखते हुए ही किरण चौधरी जैसी बड़ी नेता ने भाजपा का दामन थामा है। कांग्रेस से जुड़ी महिलाओं को यह सोचना होगा कि जो आज किरण चौधरी के साथ हुआ वही कल उनके साथ भी हो सकता है। इसलिए समय रहते ही कांग्रेस से जुड़ी महिलाओं को अपनी बेड़ियां तोड़ भाजपा में शामिल हो जाना चाहिए।

नीलम अहलावत, सदस्य महिला मोर्चा भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी।

बहादुरगढ़। योगाभ्यास करते शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

स्कूल स्टाफ ने किया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लडरावन स्थित श्रीस्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल के सभागार में प्रातः कालीन योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रांगण में रहने वाले सभी सदस्यों ने इस अवसर पर सम्मिलित रूप से स्कूल प्रिंसिपल किशोर कुमार शर्मा के नेतृत्व में योग किया। योगाभ्यास की समाप्ति के बाद संचालक अभिषेक छिल्लर ने जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदिकाल से ही योग स्वस्थ, सुखद, शांत व सुंदर रखने का सबसे सरल और सशक्त माध्यम है। यह हमारी संस्कृति और दिनचर्या में रचा-बसा हुआ है। योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्रक्रिया है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, अध्यापकगणों और क्षेत्रवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी।

बाइक चोरी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस टीम द्वारा शहर के अलग-अलग स्थानों से दो मोटरसाईकिल चोरी करने मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। शहर थाना प्रभारी बलदेव ने बताया कि कोर्ट परिसर से मोटरसाईकिल चोरी करने मामले में रमेश निवासी सिलानी केशो की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में एक आरोपी राजवंत निवासी कबलाना जिला झज्जर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं राजेश निवासी रणखंडा की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए शमशेर सिंह निवासी गांव भदानी को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों से चोरी की हुई मोटरसाईकिल बरामद की गई है। दोनों आरोपियों को अदालत के आदेशानुसार हिरासत में भेज दिया।

झज्जर। पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो : हरिभूमि

सूचना

मैं, अशोक कुमार पुत्र श्री औम प्रकाश निवासी बादली रोड, बहादुरगढ़ जिला झज्जर बयान करता हूं कि मेरी पुत्री नितिका मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

गोयनका स्कूल में छात्रों ने उत्साह के साथ किया योगाभ्यास

योग को दैनिक जीवन में शामिल करने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

- कार्यक्रम में कर्मचारियों को योग के महत्व के बारे समझाया

शहर की एचएल सिटी में स्थित जीडी गोयनका स्कूल में छात्रों व अभिभावकों के साथ ही स्टॉफ ने भी बड़े उत्साह के साथ योगाभ्यास किया। स्कूल निदेशिका शैलजा जून ने बताया कि योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और योग द्वारा दुनिया को दी गई शारीरिक और आध्यात्मिक शक्ति का जश्न मनाने के लिए हर साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। जीडी गोयनका स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में कर्मचारियों और बच्चों ने योग के महत्व को समझा। उन्होंने तन-मन के बीच सामंजस्य बनाए रखने के तरीके सीखे।

शैलजा जून के अनुसार मनुष्य योग द्वारा अपने मष्तिष्क को शांत रखते हुए एक स्वस्थ जीवन जीने का प्रयास कर सकते हैं। छात्र योगाभ्यास द्वारा पढ़ाई के दबाव को कम करते हुए जीवन में सफलता प्राप्त करने में सक्षम हो सकते हैं। प्राचार्या डॉ. सुचित्रा भट्टाचार्या के अनुसार योग एक ऐसा अभ्यास है, जो मन और शरीर को आराम देने के साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। स्कूल के योग प्रशिक्षक द्वारा वार्म अप एक्सरसाइज के बाद अनेक आसन करवाए गए। उन्होंने छात्रों को फिट रहने और एकाग्रता में सुधार के लिए नियमित योग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों ने योग के महत्व पर चर्चा की और इसे दैनिक जीवन में शामिल करने का संकल्प लिया।

बहादुरगढ़। जीडी गोयनका स्कूल में योगाभ्यास करते कर्मचारी व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़ शिक्षा सभा (रजि०) बहादुरगढ़।

कार्यालयः- माल गोदाम रोड़, नजदीक अनाज मंडी, बहादुरगढ़ - 124507 हरियाणा।

दिनांक :- 22.06.2024

संशोधित चुनाव अधिसूचना

बहादुरगढ़ शिक्षा सभा (रजि.) बहादुरगढ़ के सभी आजीवन सदस्यों को सूचित किया जाता है कि बहादुरगढ़ शिक्षा सभा (रजि.) बहादुरगढ़ के कॉलिजियम सदस्यों के त्रि-वार्षिक चुनाव हेतु दिनांक 11.06.2024 को समाचार पत्र अमर उजाला एवं हरिभूमि में दिए गए थे, दिनांक 21.06.2024 को जिला रजिस्ट्रार फर्म एण्ड सोसाइटी, झज्जर कार्यालय, बहादुरगढ़ द्वारा प्राप्त पत्र क्रमांक DIC/BHD/DRFS/248 दिनांक 21.06.2024 को श्री सुरेश कुमार मलिक, Assistant Director, (Retd.) Industries & Commerce Department, Haryana को Returning Officer नियुक्त किया गया है। Returning Officer द्वारा चुनाव कार्यक्रम को संशोधित किया गया है और संशोधित (Revised) चुनाव कार्यक्रम निम्न प्रकार से है:-

विवरण	तिथि
1. मतदाता सूची जारी करने की तिथि	22.06.2024
2. आजीवन सदस्यता सूची पर एतराज देने की अवधि	23.06.2024 से 07.07.2024
3. आजीवन सदस्यता सूची पर एतराज सुनवाई की तिथि-	08.07.2024
4. आजीवन सदस्यों की संशोधित सूची जारी करने की तिथि	10.07.2024
5. नामांकन पत्र फार्म जारी व जमा कराने की अवधि	11.07.2024 से 13.07.2024
6. नामांकन पत्रों की जाँच करने की तिथि-	14.07.2024 (सांय 3:00 से 5:00)
7. वैध नामांकन पत्रों की सूची जारी करने की तिथि	14.07.2024 (सांय 5:30 बजे)
8. नामांकन पत्र वापिस लेने की अवधि	15.07.2024 से 17.07.2024
9. नामांकन पत्रों की संशोधित सूची जारी करने व चुनाव चिह्न आबंटन करने की तिथि	18.07.2024
10. चुनाव की तिथि व समय	28.07.2024 (रविवार प्रातः 10:00 से सांय 4:00 बजे तक)

मतों की गणना चुनाव के तुरंत बाद की जाएगी व चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा।

मतदान का स्थान ----- वैश्य आर्य कन्या (पी.जी.) महाविद्यालय परिसर, लाईन पार, बहादुरगढ़। मतदान सी०सी०टी०वी की निगरानी में होगा।

सभी आजीवन सदस्यों को सूचित किया जाता है कि आगामी चुनाव संबंधी कार्यवाही संशोधित चुनाव कार्यक्रम अनुसार ही अमल में लाई जाएगी। चुनाव संबंधी अधिक जानकारी सभा की वैबसाईट www.bahadurgarhshikshasabha.org पर भी उपलब्ध है आप किसी भी अन्य जानकारी के लिए सभा के चुनाव कार्यालय पर संपर्क करें तथा आप व्यक्तिगत तौर पर मोबाईल न. 9818250395 पर भी संपर्क कर सकते है।

चुनाव कार्यालय का समय ---------- 3:00 बजे से 5:00 बजे तक

चुनाव कार्यालय का स्थान------- वैश्य आर्य कन्या (पी.जी.) महाविद्यालय परिसर, लाईन पार, बहादुरगढ़।

नोटः- बहादुरगढ़ शिक्षा सभा (पंजी०), बहादुरगढ़ में आजीवन सदस्यों की संख्या 1085 है और हरियाणा सोसाइटीज एक्ट 2012 व सोसाइटी Bye Laws अनुसार कुल कॉलिजियम 105 तय किए गए है। वार्ड के अनुसार सूची जारी की गई है।

(सुरेश कुमार मलिक)
रिटर्निंग आफिसर

न्यूनतम
6% MRP
से कम सभी दिन
Elenta Mart
A PERFECT HYPERMARKET
On Shopping Of
₹1999 & Above
₹7
1 kg sugar
NOW OPEN IN
BAHADURGARH
& JHAJJAR CITY
23 JUNE - 28 JUNE
FREE!
WHOLSALE RATE KA HYPERMARKET • Elenta का वादा बचत सबसे ज्यादा।
COCACOLA / LIMCA / SPRITE / FANTA 2LTR
OUR PRICE ₹79
BUY 1 GET 1 FREE
ALO FRUIT JUICE
BEST PRICE
OUR PRICE ₹149
HAMDARD ROOHAFZA
BUY 1 GET 1 FREE
HAMDARD SUGAR FREE ROOHAFZA
BEST PRICE
20% OFF SELECTED VARIANTS
REAL FRUIT POWER
BEST PRICE
OUR PRICE ₹499
GOPAL JI THANDAI 1KG
20% OFF
HITKARY SHARBAT ROSE 700 ML
20% TO 56% OFF ON MRP
BEST PRICE
OUR PRICE ₹155
HERSHEY'S SYRUP 623 g
BUY 1 GET 1 FREE
YU 100% COCONUT WATER
FREE
BUY 1 GET 2
BUY 1 GET 1
JIVO & FRESCA CLUB SODA
BEST PRICE
OUR PRICE ₹95 ₹125
RED BULL
BUY 1 GET 3 FREE
FRESCA 1LTR
BUY 1 GET 1 FREE
GOWARDHAN GULAB JAMUN, RASGULLA 500G
BEST PRICE
MRP- 580 MRP- 480 MRP- 360
PRICE ₹359 PREMIUM
20% OFF YELLOW
PRICE ₹285 ELAICHI CHAI
MARVEL TEA PREMIUM/YELLOW/ ELAICHI FLAVOUR 1KG
BEST PRICE
OUR PRICE ₹185
TATA TEA PREMIUM 500g
FORTUNE SOYA OIL 1 LTR. ₹140
OUR PRICE ₹121
PRABHAS GHEE 1 LTR
FREE!
BUY 1 GET 1 FREE
FORTUNE MUSTARD OIL 1LTR MRP ₹170
OUR PRICE ₹135
VITA GHEE 1LTR MRP ₹660
OUR PRICE ₹559
ANANDA GHEE 900ML + BUNDI FREE
OUR PRICE ₹499
MAHAKOSH OIL 1LTR ₹130
OUR PRICE ₹105
ORION CHOCO PIE 20 PCS
BUY 1 GET 1 FREE
PARLE BISCUIT SELECTED VARIENTS
BUY 1 GET 1 FREE
INDIA GATE FEAST ROZANA 5 KG MRP ₹605
OUR PRICE ₹435
SUNDROP OATS 1KG
BUY 1 GET 1 FREE
BORGES PASTA
BUY 1 GET 3 FREE
CHUKDE POWDER MASALE
SELECTED VARIANTS
UPTO 50% OFF
VEEBA, DEL MONTE, CREMICA, TOPS TOMATO KETHUP
BUY 1 GET 1 FREE
MARS,BOUNTY, BOURNVILLE RUM & RAISIN CHOCOLATE
BUY 1 GET 1 FREE
LAHORI ZEERA 160ML * 24 BOTTLES
OUR PRICE ₹182
DIAMOND CHIPS 100G
SPECIAL OFFER
BUY 1 GET 1 FREE
Aashirvaad atta 10kg ₹459
OUR PRICE ₹405
Fortune atta 10kg ₹445
OUR PRICE ₹365
AMUL BUTTER 500GM MRP ₹285
OUR PRICE ₹265
MUSCLE BLAZE
40% OFF ON MRP
Everest / MDH - MASALE
20% OFF ON MRP
Cadbury
BUY 1 GET 1 FREE
PRO NATURE
20% OFF ON MRP
BOURN VITA 1kg MRP ₹442
OUR PRICE ₹375
TRESEMME, DOVE, SUNSILK 1 LTR
BUY 1 GET 1 FREE
DABUR ANMOL GOLD COCONUT OIL 600ML
BUY 1 GET 1 FREE
BABY HUG Adv.
@499 ABOVE
40% OFF ON MRP
HIMALYA BABY RANGE
SELECTED VARIANTS
50% OFF ON MRP
mamaearth
SELECTED VARIANTS
UPTO 30% OFF
LOTUS
30% OFF ON MRP
VLCC
SELECTED VARIANTS +20% OFF ON MRP
BUY 1 GET 1 FREE
STAYFREE SANITARY PADS
MRP 190RS
MRP 350 RS
BUY 2 GET 1 FREE
WE ARE SELLING NON POLISH PULSES ONLY
CHANA DAAL 1KG
OUR PRICE ₹101
MOONG DHULI 1KG
OUR PRICE ₹125
KALA CHANA 1KG
OUR PRICE ₹92
MALKA LAL DAAL 1KG
OUR PRICE ₹89
BADAM 1KG
OUR PRICE ₹690
KISMISH 1KG
OUR PRICE ₹269
PISTA 250G
OUR PRICE ₹285
GAIA PRODUCTS
SELECTED VARIANT
BUY 1 GET 1 FREE
Ariel, Tide LIQUID BUY2 GET 1 FREE
BECO FRONT LOAD/TOP LOAD, 2Ltr. Liquid BUY1 GET 1 FREE
SURF EXCEL MATIC LIQUID TOP/ FRONT LOAD 4Ltr BUY2 GET 1 FREE
SANI FRESH TOILET CLEANER BUY1 GET 1 FREE
MRP-₹205
OXYZEN DISHWASH OUR PRICE ₹69
UNDER GARMENTS SALE
JOCKEY DISCOUNT 20%
BODYCARE DISCOUNT 20%
LUX cozi DISCOUNT 30%
Dollar DISCOUNT 30%
DISCOUNT 30%
VANHEUSEN DISCOUNT 20%
U.S. POLO ASSN. DISCOUNT 20%
MACROMAN DISCOUNT 30%
MACHO UNDERWEAR DISCOUNT 30%
LIFE BOY / DETTOL HAND WASH 675ML BUY1 GET 1 FREE
2LTR MRP ₹499
PRIL LEQUID DISH WASH OUR PRICE ₹299
3KG MRP ₹390
SURF EXCEL EASY WASH OUR PRICE ₹309
MRP ₹320
FENA 5KG OUR PRICE ₹265
MRP ₹659
TIDE 5 KG OUR PRICE ₹499
Elenta Mart, AMMARTA ARCADE METRO PILLER NO.816 BAHADURGARH
ENTRY OPEN ON BOTH SIDES OF MALL
+91-9992296899
ELENTA MART W9 SHOP NO. 771 MAIN BHAGAT SINGH CHOWK, JHAJJAR.
+91-8750187531
Elenta Mart Dighal, on Sampla Beri Road, Dighal.
+91-7419202127
FOLLOW US ON :
elenta_mart
elenta mart
OPEN 7 DAYS A WEEK | 9AM TO 10PM
. PRICES ARE SUBJECT TO CHANGE WITHOUT PRIOR NOTICE.
TERMS & CONDITION :
*STORE IS FREE TO WITHDRAW ANY SCHEME ANYTIME. *SCHEME VALID ONLY TILL STOCKS LAST*
STORE IS FREE TO DECIDE QUANTITY OR PRODUCT GIVEN UNDER ANY SCHEME *ELENTA MART WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY KIND OF MISPRINT IN THE PAMPHLET
*PRODUCT IMAGES ARE FOR ILLUSTRATIVE PURPOSES ONLY *TWO OFFERS WILL NOT BE CLUBBED TOGETHER BESAN & SUGAR SCHEME IS NOT APPLICABLE TO GHEE, EDIBLE OIL, ATTA, SUGAR, AND PAMPHLETS OFFER ITEMS.
*All Products are subject to availability & Some Items/Schemes may not be available at some stores. *Some offers may not be applicable on online shopping.

हरिभूमि रविवार भारती

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 23 मई 2024

आज पर टिकी होती है हमारी भविष्य की जिंदगी

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

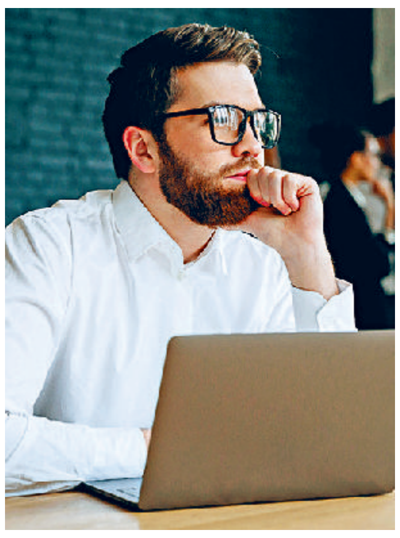

यह सही है कि भविष्य में कुछ भी निश्चित नहीं लेकिन आने वाले कल का बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसे हम आज ही निर्धारित कर सकते हैं। वो कौन-सी प्रवृत्तियां हैं, कौन-सी स्वभावगत विशेषताएं हैं, जिनमें बदलाव लाना या जिन्हें सही दिशा देना जरूरी है, इस बारे में जानकर हम निश्चित ही आने वाले जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

आपको अगर अपने उगाए पेड़ों से आम, अमरूद, नीबू, केला, टमाटर या कोई भी फल सब्जी खानी है तो उसे कब उगाएंगे? जाहिर है, आप जब भी इन्हें उगाएंगे उसके कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या बरसों बाद आपको अपेक्षित फल मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार आपको अपना भविष्य उज्ज्वल, खुशहाल, सहज और सुविधाजनक चाहिए तो उसके लिए कुछ कोशिशें आज से ही शुरू करनी होंगी। इन कोशिशों में आपके नजरिए, स्वभाव और आदतों में परिवर्तन भी शामिल है।

करें भविष्य का आकलन

हालांकि जीवन और दुनिया परिवर्तनशील और अनिश्चित है लेकिन इसमें कुछ चीजें कभी नहीं बदलेंगी। जैसे लोगों का स्वभाव, खान-पान संबंधी मूल आदतें, मानवीय गुण-दोष। इन्हीं के आधार पर भविष्य के लिए अपने प्रोफेशनल या कारोबारी निर्णय लें। मॉर्गन हाउसेल ने अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'सेम एज एवर' में लिखा है, 2050 में दुनिया चाहे जैसी हो, लोग तब भी लाभ, भय, अवसर, शोषण, जोखिम, अनिश्चितता, जुड़ाव से संचालित होंगे, जैसे आज होते हैं। तब भी हर कोई सुरक्षित भविष्य चाहेगा, आशंकाओं से घबराएगा और खाने में कुछ चीजें तब भी लगभग हर कोई खाएगा।' शायद यही कारण है कि वारेन बफेट जैसा बड़ा उद्यमी बीमा कंपनियों, बबलगम, टोमेटो केचप जैसी ट्रेडिशनल कंपनियों में निवेश करते रहे हैं।

रखें स्पष्ट-तार्किक सोच

हमें जीवन में रोजाना कुछ छोटे-बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। इन्हीं के सही गलत होने पर हमारे भविष्य का पूरा दारोमदार होता है। अगर हम अपनी निर्णय क्षमता को स्पष्ट और तार्किक बनाना सीख लें तो हमारा आने वाला कल निश्चित रूप से अच्छा ही होगा। सही निर्णय लेने की कला स्कूली पढ़ाई से नहीं बल्कि अच्छे लोगों की सलाह, जीवन के अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करती है। सबसे पहले आपको उन क्षणों को पहचानना सीखना चाहिए, जो आपके जीवन को बदलने में सक्षम हैं। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के व्यवहार पर बिना सोचे त्वरित प्रतिक्रिया न दें। बल्कि सोच-समझ कर तर्क के आधार पर निर्णय लें। भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विवेक से काम लें।

विश्वास और शत्रुता सीमित हो

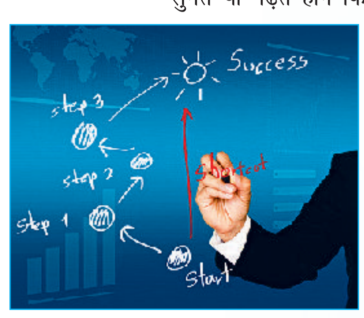

आपने कई पौराणिक, ऐतिहासिक कथाएं पढ़ी होंगी। अपने परिवार या आस-पास के उदाहरण देखे होंगे और हो सकता है कभी आपको भी अनुभव प्राप्त हुआ हो कि किसी भी व्यक्ति से शत्रुता खतरनाक स्तर पर पहुंच जाए तो मानसिक अशांति के साथ-साथ जान से हाथ धो बैठने और भारी आर्थिक नुकसान होने का जोखिम बढ़ जाता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को अपना परम मित्र और हितैषी मानकर उसे अपनी जिंदगी का हर छोटा-बड़ा राज बता देते हैं और जरूरत से ज्यादा विश्वास करने लगते हैं तो कभी-कभार हमें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसा ना हो इसके लिए किसी से अत्यधिक शत्रुता या किसी पर अंधविश्वास करने से बचना चाहिए।

धोखाधड़ी-शॉर्टकट से बचें

कई बार हम क्षणिक सुख प्राप्त करने के लिए कोई ऐसी बड़ी गलती कर बैठते हैं, जिसके लिए हमें जीवन भर पछताना पड़ता है। अवैध संबंध, ठगी, चोरी, लूट, ईर्ष्या, किसी का अहित करना या धोखा देकर, नकल करके आगे बढ़ना ऐसे काम हैं, जिनका अंतिम नतीजा सदैव दुखदायी ही होता है। आप ऐसी खबरें देखते, सुनते या पढ़ते होंगे कि कोई बाहुबली, बड़ा राजनीतिज्ञ या अत्यधिक अमीर व्यक्ति भी अर्श से फर्श पर आ जाता है। इस संदर्भ में अब्राहम लिंकन के एक पत्र का सारांश पठनीय है, जो उन्होंने अपने बेटे के स्कूल टीचर को लिखा था। उन्होंने लिखा था, 'आदरणीय टीचर, आप मेरे बेटे को सिखाएं कि मेहनत से कमाया हुआ एक डॉलर सड़क पर पड़े मिलने वाले पांच डॉलर से ज्यादा कीमती होता है। वह दूसरों से ईर्ष्या की भावना मन में ना लाए। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बताएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना अच्छी बात नहीं है। नकल करके पास होने से फेल होना ज्यादा अच्छा है। आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन में दोस्त बनने की संभावना भी होती है। इसलिए संयमित व्यवहार करे।'

ये सीखें बेहतर जीवन की चाहत रखने वाले हर किसी के लिए उपयोगी हैं। इसलिए बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए इसके सभी पहलुओं का संतुलन साधना बहुत जरूरी है। *

सीखें लाइफ को बैलेंस करना

अगर आप अपने जीवन में अच्छे-बुरे कामों, नतीजों, अपने क्रिया-कलापों पर नजर नहीं रखते हैं तो जीवन की गति बेलगाम घोड़े या ड्राइवर विहीन कार जैसी होगी। जाहिर है, इसके दुष्परिणाम आपको ही भोगने होंगे। जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। काम के साथ स्वास्थ्य, विश्राम, संबंधों और परिवार पर भी ध्यान देना जरूरी है। कोका-कोला के पूर्व सीईओ ब्रायन डायन ने कॉर्पोरेट करियर में 40 साल बिताने के बाद एक स्पीच में कहा था कि काम पर समय से पहुंचें। तल्लीन होकर काम करें लेकिन घर पर भी समय से पहुंचे। हम जीवन में पांच गेंदों की जग्लिंग करते हैं। पहली गेंद काम, दूसरी परिवार, तीसरी स्वास्थ्य, चौथी दोस्ती और पांचवीं गेंद उत्साह से जुड़ी हुई है। काम-काज की गेंद रबड़ की तरह है। यह हाथ से छूट गई तो दोबारा आ सकती है। लेकिन बाकी गेंदें कांच की तरह होती हैं। ये एक बार हाथ से छूटीं तो टूट जाएंगी। पैसा और प्रोफेशन महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ यही नहीं है। इसलिए परिवार की महत्ता को पूरी तरजीह दें।

पुरुष भी जरूर करें अपनी हेल्थ केयर

परिवार के अन्य सदस्यों की हेल्थ का पूरा ध्यान रखने वाले पुरुष सदस्य अकसर अपनी हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं। सभी पुरुषों को अपनी हेल्थ के प्रति अवेयर करने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए 'मेंस हेल्थ मंथ (जून)' इंस्पायर करता है।

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

जून महीना पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सजगता लाने से जुड़ा है। इस माह को 'मेंस हेल्थ मंथ' के रूप में मनाया जाता है। यह महीना, पुरुषों की हेल्थ प्रॉब्लम्स को लेकर जागरूक होने को समर्पित है।

पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेदारी: परिवार में पिता, दादा, भाई या किसी भी अन्य रिश्ते के रूप में रहने वाले पुरुष सदस्य अगर अपनी सेहत का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो परिवार के अन्य सदस्यों की यह जिम्मेदारी है, वे उन्हें अपनी हेल्थ को लेकर अवेयर करें। कई तरह की भाग-दौड़ के बावजूद अपनों का स्वास्थ्य सहेजने वाली आपा-धापी में उलझे रहने वाले बाबा, पापा, चाचा या भाई को भी उनकी परेशानियों को समझने वाला साथ चाहिए होता है। उनका हाथ थामकर डॉक्टर के पास तक ले जाने और दवा खिलाने के लिए परिवार के सदस्य समय जरूर निकालें, उनकी तकलीफों को लेकर संवेदनशील बनें।

स्वास्थ्य की अनदेखी: अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों की प्राइमरी हेल्थ केयर के लिए चिकित्सक के पास जाने की प्रवृत्ति कम होती है। इसी वजह से पुरुषों में हृदय रोग, कैंसर और दुर्घटना में लगी चोटें, उनका जीवन छीनने के तीन प्रमुख कारणों में से एक बनकर सामने आई हैं। इतना ही नहीं पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या महिलाएं ही नहीं पुरुष भी झेलते हैं। उम्र के साथ हार्मोनल बदलावों से जुड़ी परेशानियां पुरुषों के भी हिस्से आती हैं। पैरेंटिंग की यात्रा के उतार-चढ़ाव में पिता भी साझीदार होते हैं। उनकी मनःस्थिति भी बदलती है। कई तरह की चिंताएं उन्हें भी आ घेरती हैं। बावजूद इसके यह जिम्मेदारी निभाने के आयुवर्ग में अधिकतर पुरुष अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं रहते। अपनों की संभाल का जिम्मा उठाने वाले पिता, पति और बेटे खुद अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सीरियसली नहीं लेते। मन ही मन बहुत सी परेशानियों से जूझते रहते हैं। अपनी तकलीफें बताने के बजाय अपनों की परेशानियों का हल निकालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में घर की महिला सदस्य और बच्चे अपने पति, पिता और दादाजी को खुद की देखभाल के लिए प्रेरित भी कर सकते हैं और स्नेह भरा दबाव भी बना सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने के इस बर्ताव के खिलाफ प्यारी सी जिद ठान सकते हैं। घर के पुरुष सदस्य, अपने बच्चों की बात नहीं टाल पाते हैं।

स्नेह-साथ आवश्यक: हमारे सोशल सिस्टम में बहुत सहजता से यह मान लिया जाता है कि घर के पुरुष सदस्यों को साथ, स्नेह और संवेदनशील बर्ताव की दरकार है ही नहीं। खासकर उस आयुवर्ग में जब वे अपनी जिम्मेदारियां संभालने योग्य हो जाते हैं। पिता, पति और बेटे के रूप में परिजनों के लिए हर मोर्चे पर भागम-भाग करने लगते हैं। ऐसे में बड़े होते बच्चों का अपने पिता के प्रति जुड़ाव ही संबल बन सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य सहेजने के लिए ही नहीं भावनात्मक मजबूती के मोर्चे पर भी यह स्नेह भरा साथ बहुत आवश्यक है।

अपनों की भूमिका अहम: पुरुषों की सेहत से जुड़ी चिंताओं के प्रति अवेयरनेस लाने और बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ ध्यान लाने और उसे बेहतर तरीके से प्रबंधित करने के लिए तय किया गया यह विशेष वार्षिक आयोजन (मेंस हेल्थ मंथ) वाकई अहम है। इस दौरान चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान, यह भी बताते हैं कि घर के पुरुष मेंबर की हेल्थ संभालने के लिए अपनों की सक्रियता बेहद जरूरी है। अमेरिकी लेखक, राजनीतिज्ञ और डिप्लोमैट बिल रिचर्डसन ने कहा था कि पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानना और उन्हें रोकना केवल पुरुषों का मामला नहीं है। इसका असर पत्नियों, माताओं, बेटियों और बहनों पर भी पड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुषों का स्वास्थ्य वास्तव में एक व्यक्ति का नहीं पारिवारिक मुद्दा है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इससे परिवार में खुशहाली आती है। *

प्रिकॉशन

बाल मुकुंद ओझा

खेलों को बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में गेमिंग जोन और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते ट्रेंड से बच्चों में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स सामने आने लगी हैं। ऐसे में पैरेंट्स को एलर्ट होने की जरूरत है।

गेमिंग जोन में खोए बच्चे

बच्चों के लिए बनाए जाने वाले गेमिंग जोन को लेकर इस समय पूरे देश में खासी चर्चा हो रही है। सवाल है, आखिर ये गेम जोन है क्या? इसका चलन देश और विदेशों में इतना क्यों बढ़ने लगा है?

विदेश से आया ट्रेंड: गेमिंग जोन की शुरुआत विदेशों में बहुत पहले हो चुकी थी। समय के साथ अन्य तकनीकों की तरह भारत के छोटे-बड़े शहरों में इसका भी विस्तार होने लगा है। गेमिंग जोन एक ऐसी जगह होती है, जहां लोग गेम खेल सकते हैं। इसे अलग-अलग तरह के गेम्स के लिए डिजाइन किया जाता है। भारत में गेमिंग जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। देश में लगभग हर बड़े शहर और मेट्रो सिटीज में आपको गेमिंग जोन मिल जाएंगे।

कैसे होते हैं गेमिंग जोन: गेमिंग जोंस में वीडियो गेम्स खेलने के लिए विशेष रूप से गेम्स डिजाइन किए जाते हैं। यह एक अलग क्षेत्र होता है, जो स्पेशल गेमिंग उपकरणों से तैयार किया जाता है। गेमिंग जोन के गेम्स में प्लेयर्स को अधिक तेज और रोमांचक गेमिंग अनुभव प्राप्त करने के लिए स्पेशल फीचर्स डाले जाते हैं।

बच्चे करते हैं पसंद: बच्चों को गेमिंग जोन काफी पसंद आते हैं। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों से बच्चों में इंडोर वीडियो गेम और फोन पर गेम्स खेलने की आदत काफी बढ़ गई है। कई मामलों में तो बच्चों को गेम की लत भी लग जाती है और वो चाहकर भी गेम खेलना छोड़ नहीं पाते। इसी तर्ज पर बनाए गए गेम्स जोन, बच्चों को खूब लुभाते हैं। यही वजह है कि छुट्टी के दिनों पर तो मॉल्स में बनाए गए गेमिंग जोन में बच्चों की काफी भीड़ रहती है। बच्चों को इस तरह के गेम्स खेलने में बहुत मजा आता है। इससे उनके शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल ज्यादा रिलीज होता है। डोपामाइन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो हमारे शरीर के दिमाग को रोमांच, संतुष्टि और खुशी महसूस कराता है। इस वजह से बच्चे ऐसे गेम ज्यादा खेलते है।

बच्चों की हेल्थ पर बुरा प्रभाव: ऑनलाइन गेम्स हों, इंडोर गेम्स या गेमिंग जोन के गेम्स, इनकी लत बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बैड इफेक्ट डाल सकती है। इससे बच्चों में डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीते कुछ सालों से इस तरह के कई मामले भी सामने आए हैं, जिसमें गेम की लत ने बच्चों की मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। उन्होंने अपने घर की चीजों, सदस्यों या दोस्तों को नुकसान भी पहुंचाया है। ऐसे गेम्स से बच्चों में हिंसक सोच भी बढ़ती है। खराब मेंटल हेल्थ के चलते बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन प्रभावित होता है। ऐसे गेम्स की लत में बच्चों की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी बिगड़ती है।

पैरेंट्स ना करें लापरवाही: अपने बच्चों को मोबाइल, कंप्यूटर और गेम जोन में खेलते देखकर कई माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते कि उनका बच्चा डिजिटल दुनिया के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं, वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। इसलिए अगर आपके बच्चे भी ऐसे गेमिंग जोन में या ऑनलाइन गेमिंग में अकसर या बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो बिना देर किए आपको इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। आपका बच्चा ऐसे गेम्स का एडिक्ट हो जाए, उससे पहले ही आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। ऐसा न हो कि आपके बच्चे का बचपन गेमिंग जोन के चमक-दमक वाले मायाजाल में कहीं खो जाए। इसलिए इस लत से छुटकारा दिलाने के लिए पहले अपने स्तर पर प्यार से समझाने का प्रयास करें। जरूरत हो तो चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन सामाजिक विमर्श

जगमोहन सिंह राजपूत शिक्षाविद तो हैं ही, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारक भी हैं। हाल में आई पुस्तक 'भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं (व्यग्रता, उग्रता और समग्रता)' में उनके कई विचारोत्तेजक लेख संकलित हैं। यहां पर लेखक ने कई ऐसी समस्याओं पर विचार किया है, जो केवल एक देश-समाज के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। आज आतंकवाद, सांप्रदायिक उन्माद, असहनशीलता और संवेदनहीनता जैसी समस्याओं का सामना संपूर्ण मानव समाज कर रहा है। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनके निवारण के बिना हम एक सभ्य समाज, विकासोन्मुख देश और बेहतर दुनिया की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन समस्याओं के मूल कारणों, इनके दुष्परिणामों पर ही नहीं, उनके समाधान के रास्तों पर भी लेखक ने इन लेखों में गहनता से विचार किया है। *

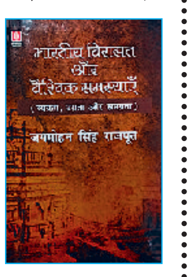

पुस्तक: भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं, **लेखक:** जगमोहन सिंह राजपूत, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

तपती दुपहरी

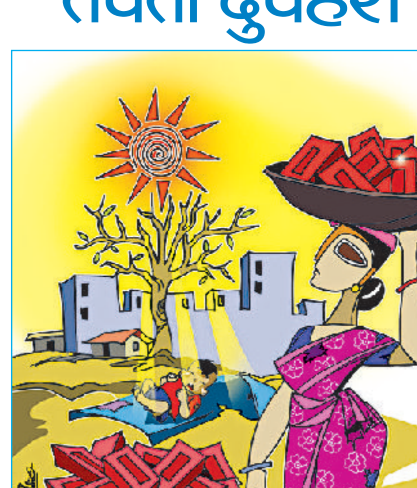

भीषण गर्मी की तपती दुपहरी थी। घर से बाहर निकलते लगता कि आदमी बेहोश होकर गिर जाएगा। धरती पर कण-कण तप रहा था। लेकिन बुलकिया को दम मारने की भी फुरसत नहीं थी। वह सुबह से ही लगी हुई थी। जल्दी-जल्दी ईंटे ढो रही थी। यह सोचती, बस एक खेप और...बस एक खेप और... फिर बच्चे को दूध पिला आएगी। बीच-बीच में बच्चा उठता, थोड़ी देर रोता फिर सो जाता। भीषण लू चल रही थी। पेट की बात नहीं होती तो बुलकिया निकलती भी नहीं। उसने कनखियों से बच्चे कजरा की ओर देखा। वह बस साल भर का था, नीम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। पेड़ अब ठूंठ ही बचा था। पेड़ की शाखों पर नाम मात्र की पत्तियां ही बची थीं। बुलकिया को तेज भूख लग आई थी, लेकिन वह ईंटों को ढोने में लगी हुई थी। आधी दोपहर निकल गई थी। वह भी बेचारी क्या करे? उसका आदमी रामसूरतवा डेढ़ साल हुए पैसा कमाने पहले विदेश चला गया था। बैंक के दलालों की मदद से किसी तरह पैसा कर्जा लेकर वह दुबई गया था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दुबई में कहीं टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। एक बार नीचे गिरा तो उठ ना सका। बुलकिया अपने पति की लाश भी नहीं देख पाई थी। बैंक से दो लाख का कर्जा लेकर गया था पति, साल भर से वह उसका मय ब्याज चुका रही है। रामसूरतवा अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है- मिंटुआ और कजरा। मिंटुआ तो खैर बड़ा हो गया है। बड़ा भी भला क्या हुआ है, चौदह साल का है। अट्ठारह घंटे चूड़ी फैक्ट्री में काम करता है। तब जाकर वो पांच हजार कमा पाता है। उसकी कमाई से ही घर चलता है।

पेड़ के नीचे कजरा बहुत देर से लेटा था। धूप की किरणें कांच की किरचों की तरह उसके बदन पर चुभ रही थीं। अचानक से वह जोर-जोर से रोने लगा। सुरेखवा से नहीं रहा गया तो चिल्लाई, 'अरे बहन! सुबह से ही बच्चे को धूप में सुला रखा है। कम-से-कम उसे छाया में तो लिटा, उसे कुछ खिला-पिला दे। तू भी तो कुछ खा-पी ले। इतनी धूप में क्यों काम कर रही है? थोड़ा सुस्ता ले बहन। काहे जान देने पर तुली है? बचेगी तो तभी काम करेगी, जा कुछ खा ले। यहां तो ऐसे लोग हैं, जो ठंडे एसी कमरों में पड़े हुए हैं।

एक हमारा नसीब है, धूप और लू में भी काम करना पड़ रहा है। सब अपने-अपने भाग्य की बात है।' तभी रामानंद ठेकेदार उधर से गुजरा, उसने भी टोका, 'ऐ, बुलकिया, तुझे और तेरे बच्चे को धूप नहीं लग रही है क्या? जा थोड़ा सुस्ता ले।'

बुलकिया के मन में आया कह दे, 'बाबू, भूख के आगे धूप कहां लगती है।' लेकिन उसे लगा उसकी आवाज को लकवा मार गया है। *

-महेश कुमार केशरी

प्यासा कौआ

ओह कैसी गर्मी है? दो-चार रोटियां बनाने में जी घबरा गया। ये सिल्लो भी कितनी छुट्टी करती है और नलों का भी यही हाल है। सारे बर्तन खाली पड़े हैं। सूखे नल ही हुड़हुड़ा रहे हैं।' पसीना पोंछते हुए गर्मी को कोसते हुए वह किचन से बाहर निकल आईं। सामने उन्हें अपना पौत्र दिखाई दिया, 'अरे बंटू! इतनी गर्मी में तुम यहां बैठे हो?'

आंगन में रखी अपनी छोटी कुर्सी पर बैठा हुआ, अपनी ही धुन में ड्राइंग कॉपी में अपने नन्हे-नन्हे हाथ से कुछ बना रहा था। बंटू को भी उसकी ही तरह घर का आंगन बहुत पसंद है। गमलों में मुस्कुराते एक से एक सजावटी पौधे, कोने में पारिजात के पेड़ पर टंगी घंटियां और एक विशिष्ट सजावट मन को सुकून से भर देता है यह आंगन। उन्होंने बंटू से कहा, 'इस गर्मी में बाहर बैठे हो! चलो अंदर चलो।'

बंटू ने बताया, 'दादी मैं ड्राइंग बना रहा हूं।'

उन्होंने कॉपी में झांक कर देखा पेड़, पौधे चिड़ियां, लाल-पीले फूल, तितलियां और आसमान में बादल, झरती वर्षा की बूंदें, वहीं दूसरी ओर खाली मटका, मटके के पास एक मृत कौआ।

'यह क्या बंटू?' उन्होंने पूछा।

'दादी कल आपने कहानी सुनाई थी न, कौए को कहीं भी पानी नहीं मिला, सब जगह सूखा ही सूखा। कहीं भी पानी की एक बूंद भी नहीं और कौआ प्यासा ही मर गया।' बंटू की आवाज में एक पीड़ा थी।

वह आगे भी बोला, 'देखो दादी, मैंने पेड़, लगाए हैं, उससे बादल आए, बारिश आई और यह नदी! देखो नदी में कितना सारा पानी है।' उन्होंने देखा बंटू के मुख और स्वर से खुशी फूट रही थी।

'पर तुम्हारा कौआ तो प्यासा ही मर गया। अब क्या फायदा?' उन्होंने बंटू से पूछा।

'दादी देखो! दूसरा कौआ तो आकाश में उड़ रहा है न।' वह बोला।

न जाने क्यों निगाहें अपने आप ही आसमान की ओर उठ गईं। उफ्फ! आग उगलते आसमां में एक भी परिंदा न दिखा। पर उन्होंने मिट्टी के खाली सकोरों को पानी से लबालब जरूर भर दिया। *

-यशोधरा भटनागर

हरिभूमि रविवार भारती

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 23 जून 2024

टूरिस्ट प्लेसेस / शिखर चंद जैन

वैसे तो दुनिया भर में हजारों-लाखों ब्रिजेज, नदी, सागर और पहाड़ों पर बनाए गए हैं। लेकिन हम आपको यहां कुछ ऐसे स्काई ब्रिज के बारे में बता रहे हैं, जिस पर से गुजरते हुए आपको भरपूर रोमांचक अनुभव मिलेगा। यहां से आपको आसमान और धरती के ऐसे अद्भुत नजारे दिखेंगे, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

थ्रिल से भरपूर अमेजिंग ब्रिज

टिटलिस क्लिफ वाक

स्विटजरलैंड के टिटलिस पहाड़ पर बना यह झूला पुल, दुनिया का सबसे ऊंचा ससपेंशन ब्रिज माना जाता है। समुद्री सतह से 3000 मीटर की ऊंचाई पर बने इस ब्रिज पर टहलने के लिए सचमुच बहुत हिम्मत चाहिए, क्योंकि यहां से आसमान आपको अपनी पहुंच में नजर आएगा और नीचे देखेंगे, तो सिर चकरा जाएगा। जी हां, 100 मीटर लंबे और मात्र 1 मीटर चौड़े इस ब्रिज पर अपना दिल थाम कर आप आगे बढ़ेंगे तो चारों ओर बिखरी सफेद बर्फ और नीले आसमान के नीचे पहाड़ का मनोरम दृश्य आपको स्वर्गिक आनंद तो देगा ही, आपको रोमांच से भी भर देगा।

ग्रैंड कैन्यन स्काई वाक

अरिजोना (यूएसए) के कैन्यन नेशनल पार्क में 4700 फीट की ऊंचाई पर बना यह पुल, पूरी तरह पारदर्शी है। यह वाक वे दुनिया के सबसे रोमांचक और सिहरन पैदा करने वाले पर्यटक स्थानों की सूची में शुमार है। इस पर टहलते समय नीचे गहरी खाई और ऊपर नीला आसमान नजर आता है तो अच्छे अच्छों का सिर चकरा जाता है। इसकी सैर करते समय आपको म्यूजियम, लाउंज और स्पेशल आइटम्स वाली शॉप भी देखने को मिलेगी। घोड़े के नाल की आकार का यह पुल, दर्शकों का दिल छू लेता है। अगर आप इस पर सैर करने का साहस न जुटा पाएं तो कोई बात नहीं, इसके नजदीक बने ओपन कैफे में बैठकर भी इसके नजारे ले सकते हैं।

ऑरलैंड लुकआउट

स्विमिंग पुल में कूदने के लिए जो डाइविंग बोर्ड बनाए जाते हैं, वैसी ही डिजाइन है नॉर्वे के इस हैंगिंग ब्रिज ऑरलैंड लुकआउट की। ढलान ऐसी कि दिल घबरा जाए। बहादुर से बहादुर इंसान भी इसके अंतिम छोर तक जाने का साहस नहीं जुटा पाएगा क्योंकि इसका छोर पारदर्शी कांच से बनाया है और यह बिना फ्रेम के। नीचे घाटी में झांकेंगे, तो लगेगा बस आप अगले ही पल नीचे गिरने वाले हैं और ऊपर आसमान इतना नजदीक दिखेगा कि आपको लगेगा, आप इसे हाथ से पकड़ लेंगे।

मोंटीवर्डी रेनफॉरेस्ट स्काई वाक

दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के कोस्टारिका देश में बना यह स्काई वाक इकोटूरिज्म का नायाब उदाहरण है। हैंगिंग ब्रिजेज की श्रृंखला से बना यह 2.5 किलोमीटर लंबा ब्रिज, आपको 2500 तरह के पेड़-पौधे, 400 तरह के पक्षी और कम से कम 100 तरह के जानवरों को देखने का भी मौका देता है। इस पुल पर आप लंबे-लंबे पेड़ों के शिखरों के बगल में चलते हैं और अपने चारों ओर प्रकृति का जीवंत रूप देखते हैं, तो मन आनंद से भर जाता है। इस बियाबान जंगल में सूरज की रोशनी बड़ी मुश्किल से धरती को छू पाती है। ऐसे में ब्रिज पर सैर करते हुए हवाई नजारा लेना एक अनूठी अनुभूति है।

थियानमेन मुंटेन स्काईवाक

चीन के हुनान प्रांत में बना यह स्काई वाक वे 4700 फीट की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी पर बना है। इस वाक वे पर चलने से पहले भरपूर जीवट वाला इंसान भी एक बार घबरा जाएगा, क्योंकि एक ओर पहाड़ी की खड़ी ढाल है और दूसरी ओर 4000 फीट गहरी खाई। दिलचस्प बात यह कि इसका 3 फीट चौड़ा पैसेज पारदर्शी कांच का बना है, जिससे आप खुद को हवा में झूलता सा महसूस कर सकते हैं। इस स्काई ब्रिज पर टहलना 'वाक आफ फेथ' कहा जाता है, क्योंकि माना जाता है कि यह कमजोर दिलवालों के लिए नहीं, अत्यधिक आत्मविश्वास वाले लोगों के लिए ही है।

ऑग्रेबीज वॉटरफॉल्स वाक वेज

दक्षिण अफ्रीका के नार्दर्न केप में बने ऑग्रेबीज नेशनल पार्क में लकड़ी से बना यह ब्रिज आपको वाटरफाल के नजदीक पहुंचाता है। 5 कि.मी. लंबा यह वाक वे आपको उस अद्भुत मनोहारी दृश्य को नजदीक से देखने का मौका देता है, जो ऑरेंज नदी के लहराते जल के 240 मीटर गहरी और 18 किमी लंबी खाई में गिरने से उपस्थित होता है। इस पानी का शोर ऐसा होता है मानो सैंकड़ों नगाड़े पूरी ताकत के साथ बजाए जा रहे हैं। वाक वे पर खड़े होकर इस दृश्य को देखना और आवाज को सुनना वाकई एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

सावधानी है जरूरी

अगर आपको कभी इन वाक वेज को देखने का मौका मिले और इनकी सैर करें तो कुछ सावधानी जरूर बरतें-

- चप्पल या आसानी से खुलकर निकल जाने वाले फुटवियर न पहनें।
- लहराने वाले या लूज ड्रेस जैसे दुपट्टा, मफलर आदि न पहनें।
- मोबाइल फोन, सनग्लास, कैमरे जैसे आइटम साथ में न रखें।
- नींद की दवा या नशीले पदार्थों का सेवन करने के बाद भूलकर भी यहां न जाएं।
- स्वास्थ्य संबंधी कोई शिकायत है, तो डॉक्टर से कंसल्ट जरूर कर लें।

रोचक / डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

शारजाह की विशाल सब्जी मंडी

जब भी मैं यूएई (यूनाइटेड अरब अमीरात) जाता हूं तो शारजाह शहर में स्थित सब्जी मंडी को देखना नहीं भूलता। सचमुच, अद्भुत और दर्शनीय! कह नहीं सकता कि विश्व में ऐसी भव्य, विशालकाय और मनोरम सब्जी मंडी कहीं और होगी या नहीं? इस सब्जी मंडी का नाम है 'सौक अल-जुबैल।' सैंतीस सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले इस विशालकाय वातानुकूलित परिसर में मुख्यतया तीन मार्केट मौजूद हैं। एक में फल और सब्जियां, दूसरे में मीट, चिकन, मछली जबकि तीसरे में सूखे मेवे आदि की दुकानें हैं। कुल मिलाकर इसमें 370 दुकानें हैं, जिनमें 212 सब्जी और फल की और शेष दुकानें नॉनवेज की हैं। पहले यह मंडी दूसरी जगह पर हुआ करती थी। नया परिसर बनने पर पुरानी मंडी की सारी दुकानें यहां पर शिफ्ट कर दी गई हैं।

यहां की व्यवस्था और साफ-सफाई शानदार है। कहीं कोई गिचपिच नहीं, कोई गंदगी नहीं। कहीं कोई शोर-शराबा भी नहीं। हर चीज का एक दाम। कोई मोल भाव भी नहीं। चारों ओर अनुशासन और शांति का माहौल। यूएई चूंकि-कृषि प्रधान देश नहीं है, इसलिए फल, सब्जी आदि खाने-पीने की चीजें मुख्यतया ओमान, भारत, पाकिस्तान, इटली, अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से यहां मंगवाई जाती हैं। इस सब्जी मंडी की विशालकायता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि परिसर के बाहर 750 कारों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। 800 ट्रॉलियों से लैस परिसर में एटीएम के साथ-साथ वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। पूरा परिसर चौबीस घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तले रहता है। परिसर की ऊपर वाली मंजिल पर 'सौक अल-जुबैल' का प्रशासनिक कार्यालय भी स्थित है।

ट्रेंड / विवेक कुमार

बहुत कुछ कहती हैं अंगुली में पहनी अंगूठियां

हममें से कई लोग रईसी दिखाने के लिए तो कुछ अट्रैक्टिव या डिफरेंट दिखने के लिए ज्वेलरी पहनना पसंद करते हैं। विभिन्न धातुओं से बनी ये ज्वेलरीज हमारे स्वभाव से लेकर हमारे स्वास्थ्य तक को प्रभावित करती हैं। लेकिन अगर अंगूठियों की बात करें तो इससे हमारी पर्सनालिटी तो निखरती ही है। अलग-अलग अंगुलियों में पहनी गई अंगूठियां, अलग-अलग एंगल और अंदाज से हमारे व्यक्तित्व और मनोविज्ञान का खुलासा भी करती हैं। इस बारे में जानिए कुछ रोचक बातें।

अंगूठे में अंगूठी: जब आप अपने दाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके महत्वाकांक्षी होने के मनोविज्ञान को दर्शाता है। यदि आप अपने बाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके अंदर के मनोवैज्ञानिक संघर्ष को दर्शाता है। इसका एक पहलू आपकी पर्सनालिटी को उभारने के संबंध में भी होता है। अगर आपकी बॉडी फिट है, लंबाई 6 फीट के आस-पास है, बदन भारी नहीं है, चेहरे में आत्मविश्वास और ऊर्जा की मौजूदगी है, तो अंगूठे में पहनी गई अंगूठी आपकी अलग ही चमक दिखाती है। यह आपके समूचे व्यक्तित्व को एक ड्राइविंग फोर्स देती है।

तर्जनी अंगुली में अंगूठी: तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहनना हालांकि बहुत आसान है, लेकिन आप ध्यान से देखें तो अंगूठी का शौक रखने वाले भी महज 5 से 10 फीसदी लोग ही तर्जनी में अंगूठी पहनते हैं। दरअसल, तर्जनी पर अंगूठी वही पहनते हैं, जो अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को सार्वजनिक रूप से दर्शाना चाहते हैं, जिनमें नेतृत्व के गुण होते हैं। अगर इस बात को राजनेताओं से जोड़कर देखें तो अकसर राजनेता तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहने मिल जाते हैं। लेकिन अगर इसे सिर्फ फैशन के लिहाज से देखें तो तर्जनी अंगुली पर उन्हीं को अंगूठी पहनना शानदार दिखाता है, जिनकी पर्सनालिटी पहले से ही भरी-पूरी हो।

मध्यमा अंगुली पर अंगूठी: मध्यमा अंगुली जिम्मेदारी, सुंदरता, आत्मविश्लेषण यानी आपके बारे में बहुत कुछ कहती है। परिवार के मुखिया आमतौर पर मध्यमा अंगुली पर ही अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, क्योंकि वे जिम्मेदारी उठाना पसंद करते हैं। मध्यमा अंगुली पर अंगूठी किसी भी लंबाई के पुरुष में अच्छी लगती है, बशर्ते उसके चेहरे में उत्साह हो और आत्मविश्वास भी झलकता हो।

अनामिका अंगुली में अंगूठी: अनामिका एक ऐसी अंगुली है, जिसमें करीब-करीब हर कोई अंगूठी पहनता है और यह भी कहना चाहिए कि हर किसी की अनामिका में पहनी गई अंगूठी अच्छी भी लगती है। शायद इसकी वजह यह है कि इस अंगुली पर जब भी हम अंगूठी पहनते हैं, यह अच्छी लगती है। इसलिए यह अंगूठी पहनने के लिए सबसे कॉमन अंगुली है। रिश्तों की रचनात्मकता को पहचानना हो तो किसी के अनामिका में पहनी गई अंगूठी को देख लें। इसी वजह से विवाह के समय हर जोड़ा इसी अंगुली पर अंगूठी पहनाता है। वास्तव में अनामिका का रिश्ता चंद्रमा और रोमांस से है।

कनिष्ठा अंगुली में अंगूठी : कनिष्ठा यानी छोटी अंगुली पर बहुत कम लोग अंगूठी पहनते हैं। आमतौर पर इस अंगुली में वही लोग अंगूठी पहनते हैं, जिन्हें किसी विशेष मकसद से कोई अंगूठी पहननी हो। लेकिन इस अंगुली में अंगूठी पहनने वालों का एक स्पष्ट मनोविज्ञान होता है। ये पेशेवर होते हैं, बुद्धिमान होते हैं, दूसरे की कम सुनते हैं और अपने आत्मज्ञान पर भरोसा करते हैं। सही तरीके से ड्रेसअप होने पर कनिष्ठा में पहनी गई अंगूठी पर्सनालिटी में चार चांद भी लगाती है।

रिचा चड्ढा ने अपने अलग तरह के रोल्स और दमदार अभिनय से फिल्मों में एक अलग पहचान बनाई है। इन दिनों वह वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने किरदार को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। रिचा चड्ढा से उनकी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी खुलकर बातचीत।

लज्जो मेरी नई पहचान है : रिचा चड्ढा

बातचीत / पूजा सामंत

पिछले दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई संजय लीला भंसाली निर्देशित वेब सीरीज 'हीरामंडी' में आप लज्जो के किरदार में नजर आ रही हैं। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। आप क्या कहना चाहेंगी ?

हर कलाकार चाहता है कि उसे भंसाली सर के साथ काम करने का मौका मिले। एक स्त्री का चित्रण जिस खूबसूरती से भंसाली सर करते हैं, वैसा किसी और के लिए करना मुश्किल है। वे हर फ्रेम को बेहद सुंदर बना देते हैं। परफेक्शन का दूसरा नाम हैं- संजय लीला भंसाली। 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार निभाकर मुझे काफी प्रशंसा मिल रही है।

सुना है 'हीरामंडी' में आप एक डांस सीक्वेंस परफॉर्म करते समय रो पड़ी थीं ?

अभी तो मैंने बताया कि भंसाली सर कितने परफेक्शनिस्ट हैं। जब तक शॉट 'द बेस्ट' न हो, रीटेक तो होते रहेंगे। शो के एक डांस सीक्वेंस में लज्जो को मुजरा करते हुए दिखाया गया है, यह कथक के तोड़े हैं। मेरे लगातार रीटेक्स हुए जा रहे थे। मुझे इस बात को लेकर घबराहट हो रही थी कि आखिर मेरा शॉट फाइनल होगा या नहीं, इसलिए मेरी आंखों में आंसू आ गए। 99 रीटेक्स के बाद मेरा कथक वाला मुजरा ओके हुआ।

'हीरामंडी' में को-आर्टिस्ट्स के साथ लज्जों के किरदार में रिचा चड्ढा

आप और आपके पति अली फजल ने एक्टिंग फील्ड में होते हुए भी अपना फिल्म प्रोडक्शन शुरू किया। क्या फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उतरने के पीछे कोई खास मकसद है ?

चलती-फिरती जिंदगी में कई बार कुछ ऐसे वाकये हो जाते हैं कि लगता है यह तो फिल्म का सब्जेक्ट है। यह जरूरी नहीं कि मेरा सुनाया सब्जेक्ट या कहानी किसी और निर्माता को पसंद आए। इसलिए किसी अच्छी-रोचक कहानी पर हमने स्वयं फिल्म बनाना सही समझा। सो फिल्म निर्माण में आ गए।

आप और अली फजल दोनों फिल्म कलाकार हैं, जीवन साथी भी हैं। फिल्म निर्माण भी साथ में कर रहे हैं, ऐसे में क्या 'क्रिएटिव डिफरेंसेज' की गुंजाइश नहीं रहेगी ?

रहेगी न! किसी मुद्दे को लेकर वैचारिक मतभेद का होना स्वाभाविक है। अली को लव स्टोरीज आकर्षित करती हैं और मैं सोचती हूं, एक्शन का तड़का कहानियों में हो तो वो यूनिवर्सल अपील बन जाती है। लेकिन हम दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हैं।

आपके प्रोडक्शन की फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' सराही जा रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

सूचि तलाटी निर्देशित हमारी यह फिल्म 21 अगस्त को फ्रांस में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रीति पाणिग्रही, कनि कुसूरति, केशव बिनॉय किरण, जितेन गुलाटी, देविका शाहनी और काजल चुघ मुख्य भूमिका में हैं। ये सभी बड़े होनहार कलाकार हैं। अभी फिल्म की पूरी स्टोरी बताना ठीक नहीं रहेगा। वैसे इसे एक मां और बेटी के संघर्ष की कहानी कहा जा सकता है।

अब तक की अपनी जर्नी को कैसे देखती हैं ?

मेरी जर्नी स्लो एंड स्टेडी रही है। मुझे लगता है मेरी हर फिल्म, हर किरदार ने मुझे सिखाया है, मेरी ग्रोथ हुई है। मैं रातों-रात स्टार नहीं बनी, धीरे-धीरे आगे बढ़ी हूं। 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'ओए लक्की! लक्की ओए' में एक छोटे रोल से मैंने अपना फिल्मी सफर शुरू किया था। उसके बाद 'मसान', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'गोलियों की रासलीला-राम लीला' जैसी फिल्मों में मेरे किरदारों को दर्शकों और फिल्म-क्रिटिक्स के अच्छे रेस्पॉन्स मिले। मेरा किरदार 'भोली पंजाबन' इतना पॉपुलर हुआ कि मुझे 'फुकरे', 'फुकरे रिटर्न्स' में उसी तरह के रोल ऑफर हुए। आज भी मुझ पर से 'भोली पंजाबन' का स्टैंप पूरी तरह से हटा नहीं है। अब मेरे कई फैंस मुझे 'लज्जो' (हीरामंडी) के नाम से जानने लगे हैं, यह मेरी नई पहचान है।

यह भी बताया...

प्रेग्नेंट रिचा के अहसास : रिचा चड्ढा बहुत जल्द मां बनने वाली हैं। वह कैसा महसूस कर रही हैं, पूछने पर बताती हैं, 'मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं। मैं अली को 2015 से जानती हूं। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' फिल्म के प्रीमियर पर हम पहली बार मिले थे। हमारी मुलाकात दोस्ती और प्यार में तब्दील हुई। हमने 2020 में शादी की, अब हम 2024 में मम्मी-पापा बन रहे हैं। हमारा प्यार, हमारे रिश्ते बहुत सहज तरीके से आगे बढ़े। अब मुझे मम्मी और अली को पापा कहने वाला कोई आएगा। ये भावनाएं मन पर मोर पंख घुमा रही हैं।'

नहीं छोड़ेंगी अभिनय और फिल्म निर्माण: रिचा से यह सवाल करने पर कि मां बनने के बाद क्या वह अपना एक्टिंग-करियर जारी रखेंगी, वह जवाब देती हैं, 'वक्त तेजी से बदल रहा है, बल्कि बदल चुका है। यह उन मांओं के लिए सुनहरा दौर है, जो अपने बच्चों की परवरिश के साथ अपने करियर को खत्म नहीं करना चाहतीं। मुझे याद है, जब मेरे भाई का जन्म हुआ था, मां ने डिलीवरी के 45 दिनों बाद ही अपनी जॉब कंटिन्यू कर दी थी। प्रेग्नेंसी-डिलीवरी स्त्री के लिए एक ऑर्गेनिक प्रॉसेस है। अगर मां का हाथ बंटाने वाला कोई हो तो यह कोई इश्यू नहीं बनता। मैं भी मनचाहा काम, फिल्में, ओटीटी, फिल्म निर्माण करते रहना चाहूंगी।'